हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रोहतक

बुधवार 20 मई 2026

ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष, चतुर्थी वर्ष : 30, अंक : 105

पृष्ठ 14 मूल्य 3 .00

मौसम

अधि. 46.9

न्यून. 25.1

सभी जिलों में पारा 42 डिग्री पार

स्थान	पारा		
रोहतक	46.9		
सिरसा	46.4		
फरीदाबाद	46.0	झज्जर	43.6
हिसार	45.3	सोनीपत	43.5
जींद	45.2	नूंह	43.3
नारनौल	45.0	रेवाड़ी	43.3
करनाल	44.7	चंडीगढ़	43.2
गुरुग्राम	44.6	भिवानी	42.5
अंबाला	44.4	च.दादरी	42.4

प्रदेश के प्रमुख जिलों में अब ये हुए रेट

जिला	पेट्रोल	डीजल
हिसार	100.10	92.53
पानीपत	98.74	91.24
रोहतक	99.56	92.05
सोनीपत	99.26	91.75
रेवाड़ी	98.96	91.47

रेट रुपये प्रति लीटर

रिकॉर्ड तोड़ गर्मी

46.9 डिग्री पर तपा रोहतक पूरा प्रदेश हीटवेव की चपेट में

हरिभूमि टीम ▶▶| हरियाणा

राजस्थान से आनी वाली गर्म हवाओं के थपेड़ों से पूरा प्रदेश झुलस रहा है। समूचा हरियाणा हीटवेव की चपेट में है। मंगलवार को रोहतक 46.9 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म जिला रहा। बाकी जिलों के हाल भी ऐसे ही रहे। सभी जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। नौतपा 25 मई से शुरू हो रहा है। ऐसे में उससे पहले ही गर्मी एकाएक बढ़ गई है। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए सभी 22 जिलों में लू का येलो अलर्ट जारी किया है। आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है।

आगे ऐसा रहेगा मौसम

- **20 मई :** गर्मी का प्रकोप और बढ़ेगा। लू का येलो अलर्ट अब 16 से बढ़कर प्रदेश के सभी 22 जिलों में लागू हो जाएगा। पूरा हरियाणा हीटवेव की चपेट में रहेगा।
- **21 और 22 मई:** पूरे प्रदेश में लू की स्थिति बनी रहेगी। लगातार चलती गर्म हवाएं रात के तापमान को भी बढ़ाएंगी।

25 मई से नौतपा की शुरुआत

- मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, आगामी दिनों में गर्मी के तेवर और ज्यादा तीखे होने वाले हैं। 25 मई से नौतपा शुरू हो रहा है। ऐसे में सूरज और धरती के बीच की दूरी कम होने से भयंकर और रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का नया दौर शुरू होने की पूरी आशंका है।

जेब पर भारी पड़ रही सवारी

90 पैसे और बढ़ा पेट्रोल डीजल, ऑल टाइम हाई

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

देश में पेट्रोल और डीजल मंगलवार को औसतन 90 पैसे प्रति लीटर और महंगा हो गया है। इससे पहले 15 मई, शुक्रवार को ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3-3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। यानी पांच दिन के भीतर में यह दूसरी बढ़ोतरी है। हरियाणा में पेट्रोल की कीमत ऑल टाइम हाई पहुंच गई है। सिरसा में पेट्रोल रेट 100.81 लीटर हो गया है। इससे पहले 28 मार्च 2022 को बहादुरगढ़ में पेट्रोल रेट 100.08 पहुंचा था। बाद में सरकार ने वैट घटाकर राहत दी थी। वहीं, डीजल का भाव भी 90 पार हो गया है।

- 5 दिन में दूसरी बार बढ़े दाम, पहले 3-3 रुपये बढ़ाए थे
- प्रदेश के कई जिलों में 100 के पार पहुंची कीमत
- आम आदमी की जेब पर बढ़ता जा रहा बोझ
- ईंधन, दूध और फलों के दाम भी बढ़ने लगे
- 15 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपये लीटर के पार पहुंचा
- डीजल 17 राज्यों में 90 रुपये से ऊपर

दूध और फलों के दाम भी बढ़े

तेज कीमतों में वृद्धि का असर भी दिखने लगा है। ईंधन दाम बढ़ने से दूध और फलों के दाम बढ़ गए हैं। सबसे ज्यादा असर बाहर से आने वाले फल पर देखा जा रहा है। सब्जियां लोकल आने से रेट इतने नहीं बढ़े हैं, मगर अगले महीने जब लोकल सब्जियों का सीजन खत्म हो जाएगा, तब रेट और तेजी से बढ़ सकते हैं। सेब, अनार करीब 250 से 300 रुपये किलो तक बिक रहा है।

खबर संक्षेप

उत्तराखंड के दो बार सीएम रहे खंडूरी का निधन

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूरी का निधन हो गया है। वह 91 साल के थे और पिछले करीब 50 दिनों से देहरादून के मैक्स सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में भर्ती थे। लंबे समय से हृदय संबंधी बीमारियों से जूझ रहे खंडूरी ने मंगलवार सुबह 11:10 बजे अंतिम सांस ली। उनका पार्थिव शरीर

लोगों की सुरक्षा जरूरी, खतरनाक कुत्तों को मौत का इंजेक्शन दें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि खतरनाक या रेबीज से संक्रमित आवारा कुत्तों को इंजेक्शन लगाकर मारा जा सकता है, लोगों की जान की हिफाजत जरूरी है और गरिमा के साथ जीने में कुत्तों के खतरे से मुक्त होकर रहने का अधिकार भी शामिल है। मंगलवार को दिए गए इस मामले पर आखिरी फैसले के साथ ही कोर्ट ने

संसद में बिल लाने की तैयारी

ट्रंप-नेतन्याहू की हत्या करने

एजेंसी ▶▶| तेहरान /वॉशिंगटन

ईरान की संसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या करने वालों को 500 करोड़ से ज्यादा इनाम देने वाला बिल ला सकती है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी संसद का राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग इस बिल की तैयारी कर रहा है। आयोग के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई' नाम से बिल तैयार किया जा रहा है। ईरानी सांसद महमूद नबावियन ने कहा कि संसद जल्द इस बिल पर वोटिंग कर सकती है, जो ट्रम्प और नेतन्याहू को जहन्नुम पहुंचाने वालों को इनाम देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई सैन्य और राजनीतिक नेताओं की मौत के बाद यह कदम उठाया जा रहा है। इस बीच ट्रम्प ने कहा है कि उन्होंने ईरान पर मंगलवार को होने वाला हमला फिलहाल टाल दिया है। ट्रम्प ने कहा

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - IL. New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *Fastest compared to all air-cooled engine motorcycles in the 125cc segment as per internal testing. ^Starting exshowroom price of Xtreme 125R IBS OBD2 variant in Haryana. T&C Apply.

TOLL FREE 1800 266 0018

Authorised Dealers: Ambala Cantt: Haryana Motors, 9289923122, Ambala City: Dhruv Hero, 9289922868, Assandh: Sandhu Hero, 9996571157, Bahadurgarh: Satvik Hero, 9289922550, Bhiwani: Jaya Hero, 9289922056, Ellenabad: Ajit Hero, 9289922505, Fatehabad: Shri Balaji Hero, 9289922057, Gharaunda: Laxmi Hero, 9289922433, Gohana: Krishna Hero, 9289923026, Hisar: Chaudhary Hero, 9289922049, Vikrant Hero, 9289923082, Jhajjar: Pushkar Hero, 9289923147, Jagadhari: Khanna Hero, 9289922050, Jind: National Hero, 9289922061, Kaithal: Chaudhary Hero, 9289922062, Karnal: Nirmal Hero, 9289922048, Kurukshetra: VPS Hero, 9289922988, Ladwa: Khanna Hero, 9289922063, Mandidabwali: Karan Hero, 9289922490, Nuh: Sunil Hero, 9289923087, Narnaul: Autodeals Hero, 9289922058, Narwana: Narwana Hero, 9289923101, Palwal: Devvaahan Hero, 9289922877, Panchkula: Regent Hero, 9289923161, Panipat: Kadian Hero, 9289923182, Sahib Hero, 9289922059, Pehowa: Saraswati Hero, 9289922393, Rewari: Virendra Hero, 9289922060, Rohtak: Shivam Hero, 9289922047, Sirsa: Khanna Hero, 9289923195, Sonipat: Madaan Hero, 9289922865, Yamuna Nagar: Rohit Hero, 9289922394, Hansi: Sunil Motors, 9821744694, Gurugram: Sec-18, Noble Enclave: Globe Agencies, 9289233915, Himgiri Hero, 9289923046, Basai Road Sector 11: Sharma Hero, 9289923221, Autoneeds Hero, 9289922051, Jasodha Hero, 9289922495, Sohna: No. 160/2 Delhi Road: Auto Links Hero, 9289924089, Faridabad: Sehgal Hero, 9289922419, Nit: Sehgal Hero, 7217627327, VPS Jindal Motors, Neelambata Road, 9289235889, Panchkula: Regent Hero, 9289923161.

RS/Hero/05/26

खबर संक्षेप

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने साइकिल से सफर कर दिया ईंधन बचत और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के आवेदन 31 जुलाई तक

चंडीगढ़। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वर्ष-2026 के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के तहत नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसका उद्देश्य उन बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करना है, जिन्होंने कम उम्र में विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं और समाज के लिए प्रेरणा बने हैं। इस पुरस्कार के लिए छह प्रमुख श्रेणियां निर्धारित की गई हैं, जिनमें बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शामिल हैं। इस पुरस्कार के लिए वे सभी बच्चे आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने इन क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किया हो और जो 31 जुलाई,2026 तक 18 वर्ष से कम आयु के हों।

मुख्यमंत्री ने म्हारी सड़क एप की समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश

सड़कों की मरम्मत न करने वाली एजेंसियों की बैंक गारंटी जब्त कर ब्लैकलिस्ट की चेतावनी

- शॉर्ट-टाइम टेंडर प्रक्रिया अपनाकर सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों में तेजी लाएं
- 1,43,065 सड़कों, जिनकी लंबाई लगभग 63,389 किमी है, को म्हारी सड़क एप पर मैप किया जा चुका

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

चंडीगढ़। म्हारी सड़क एप की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते सीएम नायब सैनी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित होने वाली जनपरिवाद बैठकों तथा उपायुक्तों द्वारा ली जाने वाली मासिक समीक्षा बैठकों में "म्हारी सड़क एप" पर प्राप्त कम से कम एक बड़ी शिकायत की अनिवार्य रूप से समीक्षा की जाए। इसका उद्देश्य एप की उपयोगिता बढ़ाना तथा शिकायतों के समाधान में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री मंगलवार को सचिवालय में "म्हारी सड़क एप" से संबंधित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि एप का दूसरा संस्करण दिसंबर 2025 में शुरू किया गया था। 11 मई को आयोजित एपीएक्स कमेटी की बैठक में सामने आए 17 प्रमुख बिंदुओं तथा उन पर उठाए गए कदमों की जानकारी हरसैक अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को दी गई।बैठक में जानकारी दी गई कि हरियाणा के विभिन्न विभागों की मैपिंग के तहत अब तक कुल 1,43,065 सड़कों, जिनकी लंबाई लगभग 63,389 किलोमीटर है, को "म्हारी सड़क एप" पर मैप किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने सड़कों की जियो-टैगिंग का कार्य तेजी और सटीकता के साथ पूरा करने के निर्देश भी दिए। अधिकारियों के अनुसार, एप के माध्यम से अब तक 31,939 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है।इस दौरान मुख्यमंत्री को एंड्रॉयड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर एप डाउनलोड की स्थिति की भी जानकारी दी गई। म्हारी सड़क एप" पर आने वाली शिकायतों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर तुरंत किया जाए।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

मुख्यमंत्री ने "म्हारी सड़क एप" पर सड़क शिकायतों में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डीएलपी अवधि में सड़क मरम्मत न करने वाले ठेकेदारों की बैंक गारंटी जब्त की जाए और तीन बार गलती मिलने पर फर्म को ब्लैकलिस्ट किया जाए। भिवानी, हिसार, फतेहाबाद, रोहतक, गुरुग्राम, करनाल और पानीपत की लंबित शिकायतों पर भी एक दर्जन से अधिक अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

ग्राम पंचायतों को मिली तालाबों की जिम्मेदारी

आबादी में गंदे पानी के जमाव पर नपेंगे अफसर

- गंदे पानी के लिए विकसित होगा थ्री-पॉन्ड सिस्टम
- बड़े तालाबों में मछली पालन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में हरियाणा तालाब और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांवों में तालाबों के प्रबंधन एवं रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि तालाबों के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि उनमें गंदा पानी न पहुंचे। ऐसा होने पर अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तालाबों के रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित ग्राम पंचायतों द्वारा सुनिश्चित की जाए। जिन गांवों में जोहड़ आबादी के बीच आ गए हैं, वहां उनकी सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने तालाबों के किनारों को मजबूत करने, गाद निकालने और किनारों पर उगी घास की सफाई करवाने के निर्देश दिए। साथ ही तालाबों के आसपास लोगों के सैर के लिए पक्की पगडंडी, बैठने के लिए बेंच तथा सोलर लाइट लगाने की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि बड़े तालाबों में मछली पालन को बढ़ावा दिया जाए।

6,777 तालाबों की सफाई पूरी

बैठक में बताया गया कि हरियाणा में अब तक 6,777 तालाबों की सफाई का कार्य पूरा किया जा चुका है। शेष तालाबों की सफाई और पुनर्जीवन का कार्य भी तेजी से जारी है। सरकार का लक्ष्य सभी तालाबों को साफ-सुथरा, उपयोगी और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है।

करोड़ों के घोटाले के बाद एक्शन

प्रदेश में सरकारी फंड निवेश के नियमों में बदलाव

तीन बैंकों की एम्पेलमेंट रद्द एफडी रिन्यूअल पर भी रोक

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने एचसीएल की सिफारिशों के तहत सरकारी धन के निवेश और रखरखाव के नियम सख्त कर दिए हैं। वित्त विभाग के आदेश के अनुसार फेडरल बैंक, आईडीबीआई बैंक और डीसीबी बैंक की सरकारी निवेश के लिए एम्पेनलमेंट वापस ले ली गई है। साथ ही आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक को सूची से बाहर करने के निर्देश भी दोहराए गए हैं।नए नियमों के तहत बंधन बैंक में अधिकतम 50 करोड़ और अन्य स्मॉल फाइनेंस बैंकों में 25 करोड़ रुपये तक ही निवेश की सीमा तय की गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि एफडी मैच्योर होने पर उसका रिन्यूअल उसी बैंक में नहीं किया जाएगा, बल्कि किसी अन्य एम्पेनल बैंक में ट्रांसफर करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य सरकारी धन की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

लिंगानुपात में गिरावट पर चार डाक्टर हुए निलंबित

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में लिंगानुपात में सुधार से संबंधित प्रभावी निगरानी और नियमों के कड़े कार्यान्वयन में विफलता को लेकर बड़ी दंडात्मक कार्रवाई की है। स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा ने सख्त रुख अपनाते हुए 3 सीनियर मेडिकल ऑफिसर और 1 मेडिकल ऑफिसर को तुरंत भाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। इसके अलावा आठ मेडिकल अफसरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। इन अधिकारियों पर लिंगानुपात में सुधार से जुड़े उपायों की प्रभावी ढंग से निगरानी न करने और संबंधित कानूनों को जमीन पर सही तरीके से लागू करने में नाकाम रहने का आरोप है। विभाग ने इसे कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही माना है। मिश्रा द्वारा जारी निलंबन आदेश के तहत जिन अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है। निलंबित किए गए अधिकारियों में डॉ. टीना आनंद, डॉ. विजय परमार, डॉ. सतपाल, डॉ. प्रभा का नाम शामिल है।

टूटते परिवारों में दादी-नानी ही बच्चों का असली सहारा बनते हैं

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि टूटते परिवारों में अक्सर नानी या दादी बच्चों की असली सहारा बनती हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि नाबालिग बच्चा अपनी नानी की देखरेख में रह रहा है, तो नानी उसके भरण-पोषण के लिए अदालत में दावा कर सकती है, भले ही बच्चे की मां जीवित हो। जस्टिस नीरजा के. कल्सन ने कहा कि कानून का उद्देश्य केवल विवाद सुलझाना नहीं, बल्कि असहाय लोगों की रक्षा करना भी है। अदालत ने माना कि भरण-पोषण केवल जीविका नहीं, बल्कि शिक्षा, चिकित्सा, आवास और सम्मानजनक जीवन का अधिकार भी है। मामला अंबाला से जुड़ा था, जहां पिता ने तर्क दिया कि मां जीवित है और पहले ही एकमुश्त समझौता हो चुका है, इसलिए जिम्मेदारी समाप्त हो गई है। हालांकि कोर्ट ने इन दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि बच्चे का अधिकार किसी निजी समझौते से खत्म नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि परिस्थितियों के अनुसार बच्चे की जरूरतें बदलती रहती हैं और उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

- हाई कोर्ट ने कहा-नानी भी मांग सकती है बच्चे के भरण-पोषण का खर्च, मां के जीवित होने पर भी अधिकार बरकरार

हाईकोर्ट से बड़ी राहत

सीईटी-2 परीक्षा में आरक्षित वर्ग के विद्यार्थी हो सकते हैं शामिल

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एचएसएससी की पुलिस भर्ती और सीईटी-2 परीक्षा में शॉर्टलिस्टिंग प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका पर याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत दी है। अदालत ने आदेश दिया कि याचिकाकर्ताओं को फिलहाल सीईटी-2 परीक्षा में प्रोविजनल रूप से शामिल होने की अनुमति दी जाए, लेकिन यह स्पष्ट किया कि इससे उन्हें अंतिम सुनवाई में कोई स्थायी अधिकार या लाभ नहीं मिलेगा। सुनवाई के दौरान सरकार ने बताया कि चयन प्रक्रिया श्रेणीवार होगी और हर श्रेणी में विज्ञापित पदों के दस गुना उम्मीदवारों को नॉलेज टेस्ट के लिए बुलाया जाएगा। साथ ही 30 जनवरी 2024 की अधिसूचना और पंजाब पुलिस नियम, 1934 के अनुसार क्वालिफाइंग टेस्ट भी श्रेणीवार आयोजित होगा। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि इसी विषय पर एक अन्य मामला पहले से लंबित है, जिसकी सुनवाई 2 जुलाई 2026 को तय है। अदालत ने यह भी ध्यान में रखा कि याचिकाकर्ताओं के अंक सामान्य वर्ग की कटऑफ से अधिक हैं। इसी आधार पर उन्हें अंतरिम राहत दी गई।

- शॉर्टलिस्टिंग प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका पर हाईकोर्ट से याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत

डेरा प्रमुख की अपील पर हाईकोर्ट में सुनवाई ट्रायल प्रक्रिया पर सवाल

चंडीगढ़। साध्वी यौन शोषण मामले में सजा के खिलाफ डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह की अपील पर हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। बचाव पक्ष ने जांच और ट्रायल प्रक्रिया को चुनौती देते हुए कहा कि अभियोजन की कहानी विरोधाभासों और देरी पर आधारित है। दलील दी गई कि दुष्कर्म का आरोप 2006 में लगाया गया, जबकि पहले बयानों में इसका उल्लेख नहीं था। बचाव पक्ष ने "2001 के प्रेम पत्र" और 1999 की घटना के दावे में विसंगति, घटनास्थल की अस्पष्टता और जांच अधिकारी की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। यह भी कहा गया कि ट्रायल कोर्ट ने कानूनी मानकों के बजाय धारणा पर फैसला दिया।कोर्ट ने सभी दलीलें सुनने के बाद अगली सुनवाई जुलाई तक स्थगित कर दी।

यमुना में गिरने वाले नालों की ड्रोन से होगी मैपिंग

चंडीगढ़। सरकार द्वारा यमुना में गिरने वाले सभी प्रमुख और छोटे नालों की मैपिंग के लिए जोन-वाइज ड्रोन सर्वेक्षण करवाया जाएगा। इसके माध्यम से जल प्रवाह और जल गुणवत्ता, दोनों की निगरानी की जाएगी। यह पहल दिल्ली में किए जा रहे सर्वेक्षणों की तर्ज पर प्रदूषण हॉटस्पॉट की पहचान और स्रोत स्तर पर निगरानी को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है। गौरतलब है कि हरियाणा ने यमुना नदी के पुनरुद्धार तथा अंतरराज्यीय नालों के माध्यम से दिल्ली में पहुंचने वाले प्रदूषित जल को रोकने की दिशा में व्यापक कार्य योजना लागू की है। इस योजना के तहत सीवेज उपचार, औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन और नालों की रियल-टाइम निगरानी पर खास जोर दिया जा रहा है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने यहां राज्य की व्यापक प्रदूषण नियंत्रण रणनीति की समीक्षा की।

हरियाणा रोडवेज बसें अब केवल सरकारी अधिकृत ढाबों पर ही रुकेंगी

चंडीगढ़। परिवहन मंत्री अनिल विज ने घोषणा की है कि हरियाणा रोडवेज की एचवीएसी बसें अब केवल हरियाणा पर्यटन विभाग के अधिकृत ढाबों पर ही जलपान के लिए रोकी जाएंगी। इस निर्णय का उद्देश्य यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना है।महानिदेशक द्वारा सभी महाप्रबंधकों को निर्देश जारी किए गए हैं कि निजी ढाबों पर बसों का ठहराव न हो। नियमों का उल्लंघन करने पर चालक और परिचालकों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।मंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग के ढाबे सरकारी मानकों के अनुरूप हैं, जिससे पारदर्शिता और अनुशासन बढ़ेगा। सरकार का लक्ष्य यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है।

एप आधारित टैक्सी और ऑटो सेवाओं पर नियंत्रण की कवायद

हरियाणा में एग्रीगेटर टैक्सी-ऑटो सेवाओं पर नए नियमों की तैयारी

योगेंद्र शर्मा ▶▶| चंडीगढ़

सूबे में एग्रीगेटर कंपनियों को लाइसेंस देने और उनके संचालन को नियंत्रित करने की कवायद शुरू हो गई है। जल्द ही टैक्सी सेवाओं और ऑटो सेवाओं पर लगाम लगाने की तैयारी है। सूत्रों का कहना है कि हरियाणा परिवहन विभाग ने कैब-ऑटो एग्रीगेटर लाइसेंसिंग नियमों में बदलाव का प्रस्ताव तैयार कर लिया है। उक्त प्रस्ताव के तहत जल्द ही बड़े बदलाव को हरी झंडी मिलने जा रही है। सरकार का परिवहन विभाग राज्य में ऐप आधारित टैक्सी और ऑटो सेवाओं को नियंत्रित करने के लिए नए नियम लागू करने की तैयारी कर रहा है।विभाग की ओर से एग्रीगेटर कंपनियों को लाइसेंस देने और उनके संचालन को विनियमित करने संबंधी प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है, जिस पर परिवहन मंत्री अनिल विज ने भी मुहर लगा दी है। यह प्रस्ताव मंत्रिपरिषद की मंजूरी के लिए भेजा गया है। राज्य में अभी तक टैक्सी और ऑटो आदि की संख्या का कोई सटीक आंकड़ा नहीं था, जबकि एक नामी टैक्सी संचालक कंपनी ने कई बार प्रस्ताव देकर अपने पंजीकरण और शुल्क व्यवस्था की मांग की थी। इस संबंध में कंपनी के प्रमुख अधिकारी ने प्रदेश के परिवहन मंत्री से मुलाकात भी की थी। अब परिवहन मंत्री अनिल विज ने आला अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श के बाद नई नीति के तहत इनके पंजीकरण और नियंत्रण को लेकर प्रस्ताव लागू करने की तैयारी की है।

दिसंबर 2025 में जारी किए गए थे ड्राफ्ट नियम

परिवहन विभाग ने बताया कि केंद्र की गाइड लाइंस और सीएक्यूएम के निर्देशों के आधार पर 11 दिसंबर 2025 को ड्राफ्ट नियम जारी कर आम लोगों और संबंधित पक्षों से आपत्तियां व सुझाव मांगे थे।

हरियाणा सरकार

धरोहर शास्त्री इंटर्नशिप कार्यक्रम

हरियाणा की दस्तावेज़ी विरासत से सीखने का अवसर

हरियाणा राज्य अभिलेखागार विभाग राज्य की प्रशासनिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अभिलेखीय धरोहर के संरक्षण, प्रबंधन और अध्ययन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

इसी उद्देश्य से विभाग द्वारा धरोहर शास्त्री इंटर्नशिप कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है, जो विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं आम नागरिकों को अभिलेखीय कार्यों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगा।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप है, जो अनुभवात्मक शिक्षा, कौशल विकास एवं धरोहर जागरूकता को प्रोत्साहित करता है।

कार्यक्रम का सारांश

पाठ्यक्रम / विषय	पात्रता मानदंड	अवधि
इतिहास	डिप्लोमा धारक, स्नातक (द्वितीय वर्ष से), स्नातकोत्तर, शोधार्थी	1 माह
अभिलेख विज्ञान	इतिहास, धरोहर, पुरातन विषयों में रुचि रखने वाले, न्यूनतम स्नातक	
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	विदेशी नागरिक (उपयुक्त शैक्षणिक दस्तावेज़ सहित)	
अन्य सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी विषय	मान्यता प्राप्त संस्थान या प्रासंगिक पृष्ठभूमि वाले अभ्यर्थी	

नोट : इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन करते समय अनिवार्य दस्तावेज़ जैसे सीवी, उद्देश्य विवरण (Statement of Purpose) तथा अन्य सहायक दस्तावेज़ के साथ रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरें।

मुख्य विशेषताएं :

- हरियाणा की अभिलेखीय धरोहर व दस्तावेज़ों से जुड़ने का अवसर
- संरक्षण, अभिलेखीकरण व डिजिटलीकरण की व्यावहारिक समझ
- शैक्षणिक एवं व्यावसायिक कौशल विकास का उत्कृष्ट माध्यम

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :
www.haryanaarchives.gov.in archives@hry.nic.in 0172-2992112

सोशल मीडिया पर जुड़ने के लिए क्यू. आर. कोड स्कैन करें

रजिस्टर करने के लिए क्यू.आर. कोड स्कैन करें

अभिलेखागार विभाग, हरियाणा

(अभिलेखागार विभाग, सिंचाई भवन, बी-ब्लॉक, चौथी मंजिल, सैक्टर-5, पंचकूला द्वारा जनहित में जारी)

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रोहतक

बुधवार 20 मई 2026

ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष, चतुर्थी वर्ष : 30, अंक : 105

पृष्ठ 14 मूल्य 3 .00

सभी जिलों में पारा 42 डिग्री पार

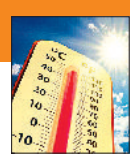

स्थान	पारा		
रोहतक	46.9		
सिरसा	46.4		
फरीदाबाद	46.0	झज्जर	43.6
हिसार	45.3	सोनीपत	43.5
जींद	45.2	नूंह	43.3
नारनौल	45.0	रेवाड़ी	43.3
करनाल	44.7	चंडीगढ़	43.2
गुरुग्राम	44.6	भिवानी	42.5
अंबाला	44.4	च.दादरी	42.4

मौसम

अधि. 46.9

न्यून. 25.1

प्रदेश के प्रमुख जिलों में अब ये हुए रेट

जिला	पेट्रोल	डीजल
हिसार	100.10	92.53
पानीपत	98.74	91.24
रोहतक	99.56	92.05
सोनीपत	99.26	91.75
रेवाड़ी	98.96	91.47

रेट रुपये प्रति लीटर

रिकॉर्ड तोड़ गर्मी

46.9 डिग्री पर तपा रोहतक पूरा प्रदेश हीटवेव की चपेट में

हरिभूमि टीम ▶▶| हरियाणा

राजस्थान से आनी वाली गर्म हवाओं के थपेड़ों से पूरा प्रदेश झुलस रहा है। समूचा हरियाणा हीटवेव की चपेट में है। मंगलवार को रोहतक 46.9 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म जिला रहा। बाकी जिलों के हाल भी ऐसे ही रहे। सभी जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। नौतपा 25 मई से शुरू हो रहा है। ऐसे में उससे पहले ही गर्मी एकाएक बढ़ गई है। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए सभी 22 जिलों में लू का येलो अलर्ट जारी किया है। आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है।

आगे ऐसा रहेगा मौसम

- **20 मई :** गर्मी का प्रकोप और बढ़ेगा। लू का येलो अलर्ट अब 16 से बढ़कर प्रदेश के सभी 22 जिलों में लागू हो जाएगा। पूरा हरियाणा हीटवेव की चपेट में रहेगा।
- **21 और 22 मई:** पूरे प्रदेश में लू की स्थिति बनी रहेगी। लगातार चलती गर्म हवाएं रात के तापमान को भी बढ़ाएंगी।

25 मई से नौतपा की शुरुआत

- मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, आगामी दिनों में गर्मी के तेवर और ज्यादा तीखे होने वाले हैं। 25 मई से नौतपा शुरू हो रहा है। ऐसे में सूरज और धरती के बीच की दूरी कम होने से भयंकर और रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का नया दौर शुरू होने की पूरी आशंका है।

जेब पर भारी पड़ रही सवारी

90 पैसे और बढ़ा पेट्रोल डीजल, ऑल टाइम हाई

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

देश में पेट्रोल और डीजल मंगलवार को औसतन 90 पैसे प्रति लीटर और महंगा हो गया है। इससे पहले 15 मई, शुक्रवार को ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3-3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। यानी पांच दिन के भीतर में यह दूसरी बढ़ोतरी है। हरियाणा में पेट्रोल की कीमत ऑल टाइम हाई पहुंच गई है। सिरसा में पेट्रोल रेट 100.81 लीटर हो गया है। इससे पहले 28 मार्च 2022 को बहादुरगढ़ में पेट्रोल रेट 100.08 पहुंचा था। बाद में सरकार ने वैट घटाकर राहत दी थी। वहीं, डीजल का भाव भी 90 पार हो गया है।

- 5 दिन में दूसरी बार बढ़े दाम, पहले 3-3 रुपये बढ़ाए थे
- प्रदेश के कई जिलों में 100 के पार पहुंची कीमत
- आम आदमी की जेब पर बढ़ता जा रहा बोझ
- ईंधन, दूध और फलों के दाम भी बढ़ने लगे
- 15 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपये लीटर के पार पहुंचा
- डीजल 17 राज्यों में 90 रुपये से ऊपर

दूध और फलों के दाम भी बढ़े

तेज कीमतों में वृद्धि का असर भी दिखने लगा है। ईंधन दाम बढ़ने से दूध और फलों के दाम बढ़ गए हैं। सबसे ज्यादा असर बाहर से आने वाले फल पर देखा जा रहा है। सब्जियां लोकल आने से रेट इतने नहीं बढ़े हैं, मगर अगले महीने जब लोकल सब्जियों का सीजन खत्म हो जाएगा, तब रेट और तेजी से बढ़ सकते हैं। सेब, अनार करीब 250 से 300 रुपये किलो तक बिक रहा है।

खबर संक्षेप

उत्तराखंड के दो बार सीएम रहे खंडूरी का निधन

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूरी का निधन हो गया है। वह 91 साल के थे और पिछले करीब 50 दिनों से देहरादून के मैक्स सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में भर्ती थे। लंबे समय से हृदय संबंधी बीमारियों से जूझ रहे खंडूरी ने मंगलवार सुबह 11:10 बजे अंतिम सांस ली। उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शनों के लिए देहरादून स्थित आवास पर रखा गया है, जबकि बुधवार को हरिद्वार में अंतिम संस्कार होगा। *एजेंसी*

ऋषिकेश में उज्जैनी एक्स. के तीन कोच हुए बेपटरी

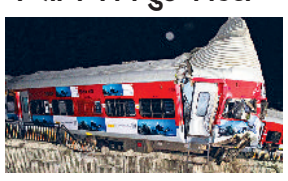

ऋषिकेश (देहरादून)। ऋषिकेश में सोमवार रात शंटिंग के दौरान उज्जैनी एक्सप्रेस के तीन कोच पटरी से उतर गए। रेलवे सूत्रों के मुताबिक शंटिंग लाइन के अंत में लगे बफर (डेड एंड) से इंजन टकरा गया, जिसके बाद डिब्बों पर दबाव बढ़ गया। इससे एक बोगी ट्रैक से पूरी तरह बाहर निकल गई, जबकि दूसरी बीच से मुड़ गई। उज्जैनी एक्सप्रेस सोमवार शाम करीब 6 बजे योगनगरी रेलवे स्टेशन पहुंची थी। *एजेंसी*

देशभर में आज केमिस्टों की हड़ताल, बंद रहेंगे स्टोर

चंडीगढ़। ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में 20 मई को हरियाणा समेत देशभर में मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। ऑल इंडिया केमिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर मेडिकल स्टोर संचालकों ने भी बंद का समर्थन किया है। ऐसे में प्रदेश के हजारों मेडिकल दुकानें बंद रह सकती हैं। एसोसिएशन का आरोप है कि ऑनलाइन दवा व्यापार ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट का उल्लंघन है और केंद्र सरकार की कुछ अधिसूचनाओं के जरिए इसे बढ़ावा दिया जा रहा है। ऑनलाइन दवा कारोबार से नकली और गलत दवाओं का खतरा बढ़ रहा है। *ब्यूरो*

नानावटी अस्पताल में भर्ती हुए अमिताभ बच्चन

मुंबई। बालीवुड के महानायक 83 वर्षीय अमिताभ बच्चन बीमारी होने के बाद मुंबई के नानावटी अस्पताल में भर्ती हुए हैं। वे लंबे समय से पेट संबंधी समस्याओं से जुझ रहे हैं। वे फिलहाल अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में इलाज करवा रहे हैं। हालांकि पारिवारिक सूत्रों ने इस बारे में कोई भी जानकारी नहीं दी है। दावा किया गया है कि अभिषेक बच्चन मंगलवान शाम अस्पताल पहुंचे और पिता का हालचाल जाना। डायरेक्टर विवेक शर्मा ने कहा कि उनकी तबीयत बहुत खराब है लेकिन डॉक्टरों की रिपोर्ट के बाद कुछ कहा जा सकेगा। *एजेंसी*

लोगों की सुरक्षा जरूरी, खतरनाक कुत्तों को मौत का इंजेक्शन दें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि खतरनाक या रेबीज से संक्रमित आवारा कुत्तों को इंजेक्शन लगाकर मारा जा सकता है, लोगों की जान की हिफाजत जरूरी है और गरिमा के साथ जीने में कुत्तों के खतरे से मुक्त होकर रहने का अधिकार भी शामिल है। मंगलवार को दिए गए इस मामले पर आखिरी फैसले के साथ ही कोर्ट ने सार्वजनिक जगहों से आवारा कुत्तों को हटाने के आदेश के खिलाफ दाखिल सभी याचिकाएं खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि आवारा कुत्तों के पुनर्वास और नसबंदी पर नवंबर 2025 में दिए गए निर्देश ही लागू होंगे। जो अफसर इनका पालन न करें, उन पर अवमानना का केस चले। नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, हाईवे जैसे पब्लिक प्लेस से आवारा कुत्तों को हटाने के निर्देश जारी किए थे। कोर्ट ने कहा था कि आवारा कुत्तों को जहां से पकड़ें, नसबंदी और टीकाकरण के बाद वहीं न छोड़ें। ऐसे कुत्तों को शेल्टर होम्स में रखें। अदालत ने सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर भी बैन लगाया था। इसके बाद कई डॉग लवर्स और एनजीओ ने इन निर्देशों को रद्द कराने के लिए कई याचिकाएं दाखिल की थीं। हालांकि इन याचिकाओं की संख्या की जानकारी नहीं दी गई है।

गरिमा के साथ जीने में कुत्तों के खतरे से मुक्त होकर रहने का अधिकार भी शामिल

- *जो अफसर निर्देश न माने, उस पर चले अवमानना का केस*
- *आवारा कुत्तों को हटाने के खिलाफ दाखिल याचिकाएं खारिज*
- *नसबंदी पर नवंबर 2025 में दिए गए निर्देश ही लागू होंगे*

प्रदेश में हर रोज 100 डॉग बाइट

- हरियाणा में आवारा कुत्तों के काटने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यहां औसतन हर दिन 100 से ज्यादा लोगों को आवारा कुत्ते काटते हैं।
- एक रिपोर्ट के अनुसार राज्य में पिछले 10 वर्षों में 11 लाख से अधिक और बीते कुछ सालों में 1.6 लाख से अधिक मामले सालाना दर्ज किए जा चुके हैं।
- अंबाला, रोहतक और जींद आवारा कुत्तों के काटने से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं।
- राजस्थान के श्री गंगानगर में एक महीने में कुत्तों के काटने की 1084 घटनाएं सामने आईं। छोटे बच्चों को गंभीर चोटें आईं, जिनमें चेहरों पर गहरे घाव शामिल हैं।

फैसले की अहम बातें

- राज्य सरकारें पशु कल्याण बोर्ड के नियमों को मजबूत करें और सही तरीके से लागू करें।
- हर जिले में पूरी तरह काम करने वाला एक एसीबी सेंटर (एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर) बनाया जाए।
- जहां आवारा कुत्तों की आबादी ज्यादा है, वहां जरूरत के हिसाब से एसीबी सेंटरों की संख्या बढ़ाई जाए।
- जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दूसरे सार्वजनिक स्थानों पर भी ये नियम लागू करने पर फैसला लिया जाए और उसे तय समय में लागू किया जाए।
- एंटी-रेबीज दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।
- एनएचएआई नेशनल हाईवे पर आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाए, जैसे पुराने ट्रांसपोर्ट वाहनों का इस्तेमाल कर उन्हें हटाना। एनएचएआई इसकी मॉनिटरिंग भी करे।
- रेबीज से संक्रमित और बेहद खतरनाक कुत्तों को कानून के तहत और जरूरत पड़ने पर यूथेनेशिया (दया मृत्यु) जैसे कदम उठाए जा सकते हैं ताकि लोगों का जीवन सुरक्षित रहे।
- कोर्ट के आदेश लागू करने वाले नगर निगम और सरकारी अधिकारियों को कानूनी सुरक्षा दी जाए। सामान्य तौर पर उनके खिलाफ एफआईआर और सख्त कार्रवाई न की जाए।

संसद में बिल लाने की तैयारी

ट्रंप-नेतन्याहू की हत्या करने वाले को 500 करोड़ इनाम

1. ट्रंप ने ईरान पर होने वाला हमला टाला
2. राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग बिल की तैयारी कर रहा

एजेंसी ▶▶| तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

ईरान की संसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या करने वालों को 500 करोड़ से ज्यादा इनाम देने वाला बिल ला सकती है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी संसद का राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग इस बिल की तैयारी कर रहा है। आयोग के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई' नाम से बिल तैयार किया जा रहा है। ईरानी सांसद महमूद नबावियन ने कहा कि संसद जल्द इस बिल पर वोटिंग कर सकती है, जो ट्रम्प और नेतन्याहू को जहन्नुम पहुंचाने वालों को इनाम देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई सैन्य और राजनीतिक नेताओं की मौत के बाद यह कदम उठाया जा रहा है। इस बीच ट्रम्प ने कहा है कि उन्होंने ईरान पर मंगलवार को होने वाला हमला फिलहाल टाल दिया है। ट्रम्प ने कहा कि कतर, सऊदी अरब और यूएई जैसे गल्फ देशों के नेताओं ने बातचीत को मौका देने के लिए कुछ दिन का समय मांगा था।

खामेनेई की मौत का बदला

गौरतलब है कि इससे पहले ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमलों में बीते मार्च महीने में इजरायल के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इस हमले में खामेनेई का लगभग पूरा परिवार खत्म हो गया और इजरायल में कोहराम मच गया। अली खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई को देश का नया सुप्रीम लीडर चुना गया। इसके बाद से ईरान ने भी इजरायल सहित खाड़ी देशों पर मिसाइलें और ड्रोन बरसाए।

ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे, 10 माह में दूसरा दौरा

सितंबर में भारत दौरे पर आएंगे रूसी राष्ट्रपति पुतिन

पीएम मोदी भी इस साल जाएंगे रूस

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसी साल सितंबर में भारत आएंगे। रूसी सरकार ने मंगलवार को कहा कि पुतिन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन को दिसंबर 2025 में उनके भारत दौरे के दौरान आधिकारिक तौर पर समिट में शामिल होने का न्योता दिया था। एक साल के भीतर पुतिन का यह दूसरा भारत दौरा होगा। पीएम मोदी भी इसी साल रूस दौरे पर जाएंगे। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2025 में भारत आए थे। उस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के साथ 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। 2025 का दौरा इसलिए भी खास माना गया था, क्योंकि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पुतिन का पहला भारत दौरा था।

ब्रिक्स दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह

इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। ब्रिक्स दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है, जिसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका के अलावा अब मिस्र, ईरान, इथियोपिया, यूएई और इंडोनेशिया जैसे नए सदस्य भी शामिल हो चुके हैं। भारत की अध्यक्षता के दौरान पूरे साल देश के अलग-अलग शहरों में कई बैठकें, मंत्रीस्तरीय सम्मेलन और कार्यकारी समूहों की चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं। भारत ने अपनी अध्यक्षता का फोकस 'ग्लोबल साउथ' यानी विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था पर रखा है।

टीएमसी को झटका, फाल्टा में मतदान से दो दिन पहले फैसला

खुद को 'पुष्पा' बताने वाले जहांगीर मैदान से हटे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की फालता विधानसभा सीट पर दोबारा वोटिंग से दो दिन पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) उम्मीदवार जहांगीर खान ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। जहांगीर ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी घोषणा की। बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज यानी 29 अप्रैल को फालता में वोटिंग हुई थी। इस दौरान कुछ बूथ पर ईवीएम में भाजपा के बटन पर टेप चिपका मिला। कई अन्य बूथों पर भी ईवीएम में गड़बड़ी की खबरें आईं। इसके बाद चुनाव आयोग ने 21 मई को दोबारा वोटिंग के आदेश दिए।

एक्यूआई 200 के पार, प्रदूषण बोर्ड ने जारी किए नियम

दिल्ली व एनसीआर में प्रदूषण बढ़ा, ग्रैप-1 की पाबंदियां लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ ही ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का पहला चरण मंगलवार से प्रभावी रूप से लागू हो गया है। केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की उप-समिति की बैठक में वायु गुणवत्ता के पूर्वानुमान को देखते हुए यह फैसला लिया गया। सीएक्यूएम ने लोगों से सिटीजन चार्टर को भी अपनाने के लिए कहा है। आमतौर पर ग्रैप-1 तब लागू किया जाता है, जब एक्यूआई 200 के पार पहुंच जाता है।

फर्श पर मिला शव, चंडीगढ़ के रहने वाले, लौटे थे ड्यूटी से

बांग्लादेश में भारतीय दूतावास के सुरक्षाकर्मी की संदिग्ध मौत

गार्ड के पद पर तैनात थे नरेंद्र

बांग्लादेश (एजेंसी)। चिटगांव शहर में स्थित भारतीय दूतावास परिसर के अंदर मंगलवार को एक भारतीय सुरक्षाकर्मी मृत पाए गए। मृतक की पहचान 35 साल नरेंद्र के तौर पर हुई है। वे चंडीगढ़ के रहने वाले थे और दूतावास में सुरक्षा गार्ड के पद पर तैनात थे। नरेंद्र सोमवार रात अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद अपने कमरे में लौटे थे। मंगलवार सुबह जब वह ड्यूटी पर नहीं पहुंचे तो उनके साथ वालों ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की। अधिकारियों ने उनके कमरे का दरवाजा खोला। अंदर कमरे के फर्श पर नरेंद्र की डेड बॉडी मिली। वे कैंपस के भीतर बने स्टाफ डॉर्मिटरी में रहते थे।

केजरी-सिसोदिया समेत आप नेताओं को अवमानना नोटिस

दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने आपराधिक अवमानना के एक स्वतः संज्ञान मामले में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह सहित अन्य आप नेताओं को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति स्वराना कांता शर्मा द्वारा शुरू किए गए इस मामले में आरोप है कि शराब नीति मामले में न्यायमूर्ति शर्मा की अदालत से रिक्यूजल याचिका खारिज होने के बाद आप नेताओं ने अदालत का बहिष्कार किया और सोशल मीडिया पोस्ट, वीडियो तथा पत्रों के माध्यम से उनके खिलाफ अपमानजनक और मानहानिकारक टिप्पणियां कीं। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रवींद्र डुडेजा की पीठ ने सभी आरोपियों को जवाब दाखिल करने के लिए 4 सप्ताह का समय दिया है। अदालत ने इस मामले में न्याय मित्र नियुक्त किया है।

अफगानिस्तान दौरे के लिए टीम का ऐलान, वनडे श्रृंखला से भी बाहर

पंत का 'डिमोशन', केएल राहुल को बनाया उपकप्तान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को लेकर बीसीसीआई की चयन समिति ने एक बेहद चौंकाने वाला और बड़ा फैसला लिया है। अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है, जिसमें ऋषभ पंत का सीधे तौर पर डिमोशन देखने को मिला है। पंत को न सिर्फ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए उपकप्तानी के पद से हटा दिया गया है, बल्कि आईपीएल 2026 की खराब फॉर्म की गाज उन पर इस कदर गिरी है कि उन्हें तीन मैचों की वनडे सीरीज की टीम से पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

शुभमन गिल को कप्तानी

ऋषभ पंत की जगह अब अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल को टेस्ट टीम का नया उपकप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि पूरी सीरीज में युवा स्टार शुभमन गिल भारतीय टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। सीनियर ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को इस एकमात्र टेस्ट मैच से आराम दिया गया है। अफगानिस्तान के खिलाफ यह एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से मुल्लांपुर में खेला जाएगा।

सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया गया है। वनडे टीम में ईशान किशन की 3 साल बाद वापसी हुई है। रोहित शर्मा और विराट कोहली भी टीम में शामिल हैं। जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को दोनों टीमों से आराम दिया गया है। प्रिंस यादव समेत 4 खिलाड़ी पहली बार भारतीय टीम में शामिल किए गए हैं। प्रिंस को वनडे और मानव सुथार को टेस्ट टीम में जगह मिली है। गुरनूर बरार और हर्ष दुबे को दोनों टीमों में शामिल किया गया है। अफगानिस्तान की टीम जून में भारत दौरे पर आएगी। दोनों टीमों के बीच एक टेस्ट और 3 वनडे खेले जाएंगे। टेस्ट मैच मुल्लांपुर और वनडे मुकाबले धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में खेले जाएंगे।

खबर संक्षेप

नाबालिग से दुष्कर्म पर 20 वर्ष कैद की सजा

जींद। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट शिफा की अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म व धमकी मामले में एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष का कठोर कारावास व 70 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अलेवा थाना क्षेत्र के गांव के एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह अपनी पत्नी के साथ मजदूरी करने गया हुआ था। घर में उसकी 14 वर्षीय बेटी अकेली थी। उनके पड़ोसी व रिश्ते में दादा लगने वाले तरसेम ने उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया। जब उसकी बेटी के हालात बिगड़े तो उन्होंने पूछताछ की। उसने तरसेम की करतूत के बारे में बताया। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता के पिता की शिकायत पर तरसेम के खिलाफ दुष्कर्म करने, छह पाक्सो एक्ट समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया था। तभी से मामला अदालत में विचाराधीन था।

सेना भर्ती के एडमिट कार्ड वेबसाइट से लें

जींद। भारतीय सेना में भर्ती के लिए आयोजित होने वाले कॉमन एंट्रेंस एग्जाम की तिथियां घोषित कर दी गई हैं। यह परीक्षा एक जून से 12 जून के बीच देशभर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर होगी। सेना भर्ती प्रवक्ता ने बताया कि सभी अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड 15 मई को सेना की आधिकारिक वेबसाइट जेओआईएनआईएडीआईएएनएआरएमवाईडॉटएनआईसीडॉटइन पर अपलोड कर दिए गए हैं। परीक्षा केंद्र से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी एडमिट कार्ड पर उपलब्ध कराई गई है।

गुरुग्राम में गाड़ी में मिला नरवाना के युवक का शव

गुरुग्राम। रेवाड़ी रोड पर लावारिस हालत में खड़ी एक बुलेरो गाड़ी से संदिग्ध हालात में डेडबॉडी मिली है। बुलेरो गाड़ी कई दिन से सड़क किनारे खड़ी थी। मृतक की पहचान जींद जिले के नरवाना के रहने वाले संजय के रूप में हुई है। वह एक निजी कंपनी में बतौर ड्राइवर की जॉब करता था। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच के आधार पर पता चला है कि व्यक्ति गाड़ी के अंदर ही सो गया होगा और कार पूरी तरह बंद होने के कारण दम घुटने से उसकी जान चली गई। मृतक के शरीर पर चोट या अन्य किसी तरह के निशान नहीं हैं।

रेवाड़ी में दो कंपनियों में भीषण आग से करोड़ों का नुकसान

आग से फटे केमिकल के ड्रम, 7 कर्मी झुलसे, 40 दमकल की गाड़ियां दौड़ीं

- केमिकल कंपनी में आग के वक्त 125 कर्मचारी कर रहे थे काम, आग की लपटों में झुलकर तीन गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में मंगलवार को दो जगह फैक्ट्रियों में भीषण आग लग गई। बावल के सेक्टर-5 स्थित जीएलएस स्पेशियलिटी केमिकल्स प्रा. लि. कंपनी में मंगलवार दोपहर लगी भीषण आग से करोड़ों रुपये का नुकसान हो गया। आग में कंपनी के सात कर्मचारी झुलस गए, जिन्हें अलग-अलग अस्पतालों में दाखिल कराया गया है। केमिकल की आग होने के कारण पांच जिलों की लगभग 40 फायर ब्रिगेड गाड़ियां भी शाम तक आग पर काबू नहीं पा सकी थीं। इसके बाद तेल कंपनियों से आग बुझाने वाले केमिकल से भरी गाड़ियां बुलाकर आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। आगजनी के बाद एसडीएम संजीव कुमार, डीएसपी सुरेंद्र श्योराण, एसएचओ कसोला व एसएचओ बावल सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात रहा।

रेवाड़ी। केमिकल फैक्ट्री में लगी आग से काफी दूर तक धुआं फैल गया।

दोपहर करीब 12 बजे केमिकल कंपनी एक प्लांट में आग लग गई। आग लगते ही केमिकल से भरे ड्रम फटने शुरू हो गए। उस समय कंपनी की पहली शिफ्ट में करीब 125 कर्मचारी कार्यरत थे। ड्रम फटने के साथ ही कंपनी के कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकलने को कहा गया। लगभग सभी कर्मचारी तुरंत बाहर आ गए, लेकिन आग की लपटों से सात कर्मचारी झुलस गए। इनमें से तीन की हालत गंभीर होने के कारण प्रबंधन ने उन्हें गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल पहुंचा दिया। तीन कर्मचारियों को शहर के प्राइवेट अस्पतालों में दाखिल कराया गया है। सूचना मिलने के बाद बावल और रेवाड़ी से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। आग भड़कती देखकर फरीदाबाद, सोहना, पटौदी और नूंह तथा राजस्थान के नीमराणा से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गईं। आसपास की कंपनियों में भी आग से हड़कंप मचा रहा। कई कंपनियों ने आग फैलने की आशंका से छुट्टी कर दी।

इलेक्ट्रिक स्कूटी के गोदाम में भीषण आग से कई वाहन जले

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा के पास राजपुरा गांव में मंगलवार सायं एक इलेक्ट्रिक स्कूटी के गोदाम में लगी आग से लाखों रुपये की स्कूटी और अन्य सामान जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। धारूहेड़ा के पास राजपुरा गांव में एक इलेक्ट्रिक स्कूटी बनाने वाली कंपनी का गोदाम है। गोदाम में काफी संख्या में स्कूटी थीं। मंगलवार शाम के समय गोदाम से अचानक धुआं उठने लगा। आसपास के लोगों ने खुद आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती चली गई। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। गोदाम में मौजूद लोगों के बाहर आने के कारण जान का नुकसान होने से टल गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने काफी देर बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गोदाम में रखी स्कूटियां और अन्य सामान जलकर राख हो चुका था।

नूंह पुलिस ने एक गो तस्कर पकड़ा

एंबुलेंस में गो तस्करी कर रहे बदमाशों का एनकाउंटर

- पुलिस पर तस्करों ने की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में लगी गोली, दो मौके से फरार हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नूंह

एंबुलेंस में गोवंश को लेकर जा रहे तीन तस्करों की मंगलवार सुबह मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने सूचना मिलते ही गो-तस्करों की गाड़ी को घेरा तो सामने से उन्होंने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में तस्कर के पैरों में गोली लगी, जिसमें वह घायल हो गया। जबकि, उसके दो साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मौके से एक देसी कट्टा, तीन खाली खोल और दस कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा, चार गोवंश और एक ईको कार को भी कब्जे में लिया गया है।

अपराध जांच शाखा नूंह की टीम को सूचना मिली थी कि कुछ गो-तस्कर वाहन में गोवंश ले जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने नूंह-उटावड़ रोड पर जयसिंहपुर गांव के पास नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर आरोपी वाहन को तेज रफ्तार में भगाने लगे। पीछा करने के दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उटावड़ निवासी हमास खान घायल हो गया। घायल आरोपी को उपचार के लिए नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

एंबुलेंस में मौजूद गोवंश।

आरोपियों के भागने की तस्वीरें आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुई हैं। नूंह सदर थाना पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। पुलिस ने गो-तस्करी, अवैध हथियार रखने और पुलिस पर जानलेवा हमला करने सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जमीन बंटवारे के कुछ घंटे बाद छोटे भाई की कैंची से की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अलेवा

अलेवा खंड के गांव संडील में जमीनी विवाद को लेकर बड़े भाई ने छोटे भाई की कपड़े काटने वाली कैंची से पेट में वार करके हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने पर अलेवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। सुबह ही सभी भाइयों की जमीन का बंटवारा हुआ था।

मृतक खुशीराम।

गांव संडील में खुशीराम (35) व सत्यवान के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। दोनों ही आपस में भाई हैं। मंगलवार सुबह दोनों भाइयों की जमीन का आपसी बंटवारा भी हुआ था। डेढ़-डेढ़ एकड़ जमीन दोनों भाइयों के बीच बंट गई थी। दोपहर के समय खुशीराम अपने घर आ गया था। कुछ समय बाद ही सत्यवान आकर उससे झगड़ा करने लगा। दोनों में काफी बहस हुई। इसी दौरान सत्यवान ने पास रखी कपड़े काटने की कैंची से खुशीराम के पेट में वार कर दिए। खुशीराम बार-बार वार होने से घर के बाहर गली में ही गिर गया। वारदात को अंजाम देकर सत्यवान मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलने पर आसपास के लोग तथा अलेवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल खुशीराम को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लेकर आए। जहां चिकित्सकों ने खुशीराम को मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास एक लड़का व एक लड़की है। अलेवा थाना प्रभारी आत्माराम ने बताया कि अभी तक इस मामले में बयान दर्ज नहीं हुए हैं। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

नपा के अकाउंटेंट पर 27 लाख गबन में केस दर्ज

फतेहाबाद। जाखल शहर की नगरपालिका में 27 लाख रुपये का गबन हुआ है। जाखल पुलिस ने इस मामले में मंगलवार को पूर्व अकाउंटेंट पर केस दर्ज किया है। अकाउंटेंट के खिलाफ नपा सचिव ने अप्रैल में शिकायत दी थी। अकाउंटेंट को पहले ही सस्पेंड किया जा चुका है। जाखल नपा सचिव प्रवीण कुमार ने बताया कि पिछले वर्ष पूर्व अकाउंटेंट महेन्द्र सिंह ने सचिव के फर्जी हस्ताक्षर कर 27 लाख 63 हजार 344 रुपये की राशि निजी व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर करवा दी थी। यह भुगतान 31 दिसंबर 2024 को नगरपालिका से हुआ था। जांच में सामने आया कि इंडसइंड बैंक के खाते से 31 दिसंबर 2024 को 27 लाख 63 हजार 344 रुपये की राशि संदीप सिंह के खाते में ट्रांसफर की गई। बैंक से प्राप्त चेक और नमूना हस्ताक्षर में सचिव के साइन अलग पाए गए। शिकायत में आरोप लगाया गया कि चेक पर प्रथम और द्वितीय दोनों साइन तत्कालीन अकाउंटेंट महेंद्र सिंह द्वारा किए गए प्रतीत होते हैं।

विजिलेंस टीम ने बवानीखेड़ा, असंध और फरीदाबाद में की कार्रवाई, तीन गिरफ्तार

किसान से रिश्वत लेते वकील-पटवारी काबू

- बवानीखेड़ा तहसील में खेवट की तकसीम के नाम पर एक लाख रुपये लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा तहसील कार्यालय में खेवट की तकसीम करवाने के नाम पर रिश्वत मांगने का मामला सामने आने के बाद विजिलेंस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक वकील और एक पटवारी को रंगे हाथों काबू कर लिया। विजिलेंस टीम ने दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

बताया जाता है कि सिवाड़ा के एक किसान ने विजिलेंस विभाग को शिकायत दी थी कि उसकी जमीन की खेवट तकसीम करवाने के एवज में लाखों रुपये की मांग की जा रही है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि तहसील कार्यालय से जुड़े कुछ लोगों द्वारा बार-बार पैसे देने का दबाव बनाया जा रहा था।

पहले पैसे लेते वकील को पकड़ा

किसान ने परेशान होकर इसकी सूचना विजिलेंस विभाग को दी और बताया कि एक पटवारी व वकील द्वारा इस कार्य के लिए लाखों रुपयों की मांग की। शिकायत के आधार पर विजिलेंस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि डयूटी मजिस्ट्रेट मत्स्य अधिकारी सुरेन्द्र व विजिलेंस टीम से जगजीत सहित टीम का गठन किया गया। फिर तय योजना के तहत आरोपी वकील भूपेंद्र को रिश्वत को करीब एक लाख रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। इसके बाद रास्ते में संबंधित पटवारी नरेंद्र को भी टीम ने हिरासत में ले लिया।

नगर निगम में एसीबी ने की जांच

फरीदाबाद। नगर निगम में कथित घोटालों को लेकर बड़ा एक्शन शुरू हो गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर विभिन्न विभागों में दस्तावेजों की जांच की। टीम ने कई घंटों तक रिकॉर्ड खंगाले। इस कार्रवाई को हाल ही में हुई दिशा बैठक से जोड़कर देखा जा रहा है, जहां केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने निगम को लूट का अड्डा बताया था। इसके बाद कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने पिछले 10 वर्षों में हुए विकास कार्यों की जांच कराने की बात कही थी।

जमाबंदी के नाम पर 15 हजार रिश्वत लेते पटवारी पकड़ा

असंध/करनाल। असंध क्षेत्र में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पटवारी को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पटवारी विजय वीर पर आरोप है कि उसने जमीन की जमाबंदी में नाम दर्ज करने के एवज में रिश्वत की मांग की थी। एसीबी टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को 15 हजार रुपये लेते समय काबू कर लिया। शिकायतकर्ता गुरबख्श सिंह ने एसीबी को दी शिकायत में बताया कि उसने वर्षों पहले अपने भाई से दो कनाल जमीन खरीदी थी। पुराने रिकॉर्ड में उसका नाम दर्ज था, लेकिन नई जमाबंदी तैयार होने के बाद उसका नाम हटा दिया गया। जब उसने दोबारा रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाने के लिए पटवारी से संपर्क किया तो आरोपी ने पहले 25 हजार रुपये की मांग रखी। शिकायतकर्ता के मुताबिक आरोपी पटवारी ने यह भी कहा था कि रिश्वत की रकम में अन्य अधिकारियों का भी हिस्सा जाता है। बाद में बातचीत के बाद मामला 15 हजार रुपये में तय हुआ।

घर में झगड़े के बाद दो सगी बहनों ने कपिल मुनि सरोवर में कूदकर दी जान

- एक गैस एजेंसी पर करती थी काम तो दूसरी कॉलेज में थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलायत/कैथल

कलायत में मंगलवार सुबह प्राचीन कपिल मुनि मंदिर के सरोवर में कूदकर दो सगी बहनों ने अपने जीवन को समाप्त कर लिया। बताया जा रहा है कि घर में मामूली कहासुनी के चलते पलक (20) और परमजीत (18) ने यह कदम उठाया। पलक अपने आर्थिक रूप से कमजोर परिवार का सहारा बनने के लिए गैस एजेंसी में नौकरी करती थी, जबकि छोटी बहन सरकारी कॉलेज की छात्रा है। देर तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद दोनों को अचेत अवस्था में बाहर निकाला गया, जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों बहनें रेलवे रोड पर सीता नगर के पास की रहने वाली थीं। उनके पिता रविंद्र कुमार प्राइवेट टैक्सी चालक हैं और माता गृहिणी हैं। परिवार में चार बेटियां और एक बेटा है। दोनों बहनें सुबह करीब पांच बजे घर से निकल गईं और कपिल मुनि मंदिर के सरोवर पर पहुंच गई।

भगवान कपिल मुनि मंदिर के पुजारी संजय गौतम ने मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में दोनों लड़कियों को सरोवर की ओर दौड़ते हुए देखा। घटना की जानकारी मिलते ही श्री कपिल मुनि तीर्थ कमेटी के प्रधान राजू कौशिक, युवा राजबीर रहबारी सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे और सरोवर में रेस्क्यू अभियान शुरू किया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका

मकान को जैक से उठाते समय दीवार गिरी, 3 दबे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चौपटा

गांव गुडियाखेड़ा में मकान को जैक से उठाने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। अचानक जैक पर टिकी दीवार गिर गई और काम कर रहे तीन मजदूर मलबे के नीचे दब गए। प्रशासनिक अमले ने दो मजदूरों को बाहर निकाल लिया है जबकि एक मजदूर अभी भी मलबे के नीचे दबा हुआ है। गांव गुडियाखेड़ा निवासी आत्मराम बिरड़ा ने ढाणी में पहले मछली पालन का कार्य किया हुआ था। जो कई सालों से बंद पड़ा हुआ था। यहां पर बने मकान काफी नीचे हो गए थे। इनको ऊंचा उठाने के लिए ठेकेदार अशोक कुमार को ठेका दिया हुआ था। पिछले छह दिनों से जैक से मकान को ऊंचा उठाने का कार्य किया जा रहा था। यूपी के रायपुर निवासी वनीत कुमार ने बताया कि जैक की सहायता से रायपुर के मजदूर, मनोज कुमार, विकी व सिद्धार्थ लगे हुए थे। मंगलवार शाम को मकान की एक दीवार गिर गई जिसके नीचे तीनों मजदूर दब गए। बचाव व राहत कार्य में जुटे लोगों ने विकी व सिद्वार्थ को बाहर निकाल लिया, जबकि मनोज को बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बचाव कार्य में जुटे कर्मचारी व ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

नहर में गिरी पोकलेन मशीन, ड्राइवर की मौत

यमुनानगर। बाड़ी माजरा तीर्थ नगर पुल के पास मंगलवार सुबह लेवलिंग कार्य करते समय एक पोकलेन मशीन अचानक नहर में गिर गई। हादसे के समय मशीन चला रहा ड्राइवर कैबिन में ही फंस गया और उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान पंजाब के जिला पठानकोट के गांव थारा झिकला निवासी 35 वर्षीय प्रीतम के रूप में हुई है। मृतक पिछले करीब 20 वर्षों से पोकलेन मशीन चलाने का काम कर रहा था। मृतक के भाई कुलदीप ने बताया कि वह पिछले करीब चार वर्षों से यमुनानगर में पश्चिमी यमुना नहर पर लेवलिंग का कार्य कर रहे थे और पास में बने क्वार्टर में रहते थे। मंगलवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे बाड़ी माजरा पुल के पास लेवलिंग का काम शुरू किया गया था। उसका भाई प्रीतम मशीन के कैबिन में बैठकर नहर के किनारे लेवलिंग कर रहा था। इसी दौरान अचानक मशीन रेत में धंस गई और असंतुलित होकर नहर में जा गिरी।

645 करोड़ के बैंक घोटाले में सीबीआई जांच ने पकड़ी रफ्तार

बैंक घोटाले में 8 आईएएस अधिकारी सीबीआई के निशाने पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा सरकार के विभिन्न सरकारी विभागों के करोड़ों रुपये की बंदरबांट का मामला लगातार तूल पकड़ता हुआ नजर आ रहा है। पूरे मामले में अब सीबीआई द्वारा की जा रही जांच की आंच दर्जनभर आईएएस अफसरों तक पहुंच गई है। अभी तक पूरे मामले में सीबीआई पांच आईएएस से इस बारे में पूछताछ भी कर चुकी है। साथ ही सीबीआई द्वारा बुलाए जाने वाले अफसरों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है।

भरोसेमंद सूत्रों का कहना है कि विभिन्न विभागों में तैनात आईएएस अफसरों से लेकर निचले स्तर के अफसरों व कर्मियों को महंगे महंगे तोहफे देने, पार्टियां देने, बाहर घूमने की व्यवस्था कराने जैसे अहम बिंदु जांच अफसरों के सामने आ चुके हैं। सूत्र बताते हैं कि आरोपित अफसरों की संपत्ति, उनकी सर्विस का रिकॉर्ड हर तरह का ब्योरा जुटाया जा रहा है। इस दौरान कई बड़े खुलासे भी हो रहे हैं। यहां पर बता दें कि लगभग 645 करोड़ के बैंक घोटाले में सीबीआई ने अभी तक 8 आईएएस अधिकारियों को सीधे ही जांच और पूछताछ के दायरे में लिया है। सरकार ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसीए) की धारा 17A के तहत इन सभी अफसरों के खिलाफ जांच और पूछताछ की औपचारिक मंजूरी दी हुई है। जिन अफसरों से सीबीआई छानबीन कर चुकी है, उनके नाम भी हरियाणा पंजाब प्रशासनिक गलियारों में खूब लिए जा रहे हैं। सूत्र बता रहे हैं कि अफसरों के ठिकानों पर छापेमारी के साथ ही पूछताछ के दौरान मोबाइल फोन भी जब्त कर लिए हैं। इन अफसरों की बात करें, तो इनमें एक जहां 2011 बैच से जुड़े अफसर शामिल है। उक्त अफसर प्रदीप कुमार पर पहले ही निलंबन की गाज गिर चुकी है। इसी क्रम में आरके सिंह - 2012 बैच भी निलंबित हो चुके हैं। इसके अलावा एक साफ छवि वाले 1991 बैच के आईएएस लॉबी हैरान है।

एक्सटेंशन ले रही महिला अधिकारी पर शक

सीबीआई जांच में मोबाइल वाट्सएप पर चैटिंग दिशा निर्देश के अलावा काफी अहम साक्ष्य सामने आए हैं। इसके अलावा वित्त विभाग हरियाणा में तैनात एक महिला अधिकारी जो रिटायर होने के बाद भी बार-बार विभाग में एक्सटेंशन पाकर बैठी रही, उसको लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। हालांकि सरकार और वित्त विभाग ने उन्हें अब घर भेज दिया है। जांच में वन सेवा के इस अधिकारी का नाम भी सामने आया है, जिन पर आने वाले समय में गाज गिरना तय माना जा रहा है।

सरकारी पत्र मिलने से मचा हड़कंप

शुरुआती जांच और विजिलेंस रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि पंचायत विभाग में तैनात एक बड़े आईएएस अधिकारी ने मातहत अधिकारियों पर आईडीएफसी और एयू स्माल फाइनेंस बैंक में अवैध रूप से सरकारी खाते खोलने का दबाव बनाया था। जांच एजेंसियों को एक ऐसा सरकारी पत्र मिला है, जिसमें साफ लिखा है कि "विभाग के वरिष्ठ अधिकारी से टेलीफोन पर हुई चर्चा के बाद इन दोनों बैंकों में खाता खोलने के ऑर्डर जारी किए हैं"। यही पत्र अफसरों के गले की फांस बन चुका है।

गोवा में संपत्ति का भी खंगाल रहे रिकॉर्ड

2005 बैच के एक वरिष्ठ अफसर से भी सीबीआई कड़ी पूछताछ के लिए होमवर्क कर तैयार है। बताया जा रहा है कि उक्त अफसर की सरकारी विभाग में तैनात पत्नी रडार पर है। 2007 बैच के एक अफसर की गोवा और अन्य स्थानों पर संपत्ति को लेकर भी ब्योरा सीबीआई के पास पहुंच गया है, विदेश यात्राओं और पार्टियों को लेकर भी काफी जानकारी जांच अधिकारियों ने जुटा ली है। 2009 बैच के एक अन्य अफसर के नाम को लेकर भी अफसरशाही और सरकार हैरानी में है। इस क्रम में एक 2014 बैच के आईएफएस अफसर का नाम भी सामने आया है।

गिरफ्तार आरोपियों से जुड़ रहीं कड़ियां

एक अन्य 2000 बैच के अफसर पर भी लगातार शिकंजा कसता जा रहा है। 2002 बैच के सुर्खियों में रहने वाले एक अधिकारी पर इस बार गाज गिरना तय है, क्योंकि पहले भी घोटाले में उनका नाम आ चुका है। जांच के जैसे-जैसे नए सुराग और गिरफ्तार आरोपियों (जैसे जेल में बंद बर्खास्त सुपरिंटेंडेंट नरेश कुमार) के बयान सामने आ रहे हैं, सीबीआई ने 3 और वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

वाटर कूलर के करंट से मौत पर डेढ़ साल बाद केस दर्ज

- गांव बंदराना की हरिजन चौपाल में पानी पीते वक्त गई थी सात वर्षीय बच्ची की जान, सीएम विंडो पर शिकायत के बाद कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

गांव बंदराना की हरिजन चौपाल में लगे वाटर कूलर से लगे करंट के कारण सात वर्षीय बच्ची की मौत के मामले में थाना ढांड पुलिस ने एक साल बाद केस दर्ज किया है। यह कार्रवाई सीएम विंडो पर दी गई शिकायत, पुलिस जांच और जिला न्यायवादी की राय के बाद की गई।

गांव बंदराना के राजेश कुमार ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उसकी 7 साल की बेटी जीविका की 21 अगस्त 2024 को गांव की ही एक चौपाल में लगे सरकारी वाटर कूलर से पानी पीते समय करंट लगने से मौत हो गई थी। ग्राम पंचायत, संबंधित विभागों और अधिकारियों की लापरवाही के कारण उसकी बेटी की जान गई। उसने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कई बार सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामले में पहले धारा 194 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की थी और पोस्टमार्टम के बाद विसरा जांच के लिए भेजा गया था।

जांच रिपोर्ट में बच्ची की मौत करंट लगने से होना पाया गया। बाद में दोबारा जांच के दौरान डॉक्टरों की राय और जिला न्यायवादी की रिपोर्ट भी ली। जांच में सामने आया कि लापरवाही के कारण बच्ची की मौत हुई। ढांड थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि पुलिस ने जांच के बाद अब संबंधित के खिलाफ लापरवाही का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को इस नोटिस के द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुव्वकिल के द्वारा निम्न कृषि भूमि का बैयनामा प्रस्तावित है :–

5830

हमकि (1) चन्दरो विधवा व (2) कुलदीप (3) प्रदीप पुत्रान जगदीश पुत्र कृष्ण, निवासीगण एवं बिस्वेदारान गांव बादली, तहसील बादली, जिला झज्जर (हरियाणा) में अराजी बरूवे इन्द्राज जमाबन्दी वर्ष 2023–24, के अनुसार अराजी खेवट न0 3131/2673/1, खाता न0 3495, मु0 न0 301, किला न0 5(7–12), 6(7–12), 15(7–12), 16/1(7–4), मु0 न0 302, किला न0 1/1(6–18), 8/1(5–9), 9(8–0), 10(7–11), 11(8–0), 12(8–0), किते 10, तादादी रकबा 73 कनाल 18 मरले का 5/93 भाग, बकदर 3 कनाल 19.46 मरले (0.496625 एकड़) (जिसमें चन्दरो – कुलदीप – प्रदीप हर तीन समभाग), वाका रकबा मौजा बादली, तहसील बादली, जिला झज्जर के मालिकान व काबिजान है जिसको बैय किया जा रहा है। जिसका कब्जा मु0 न0 302, किला न0 8/1 मिन पूर्व (3–19.46), किता 1, तादादी रकबा 3 कनाल 19.46 मरले (0.496625 एकड़) पर दिया जा रहा है।

यदि कोई भी व्यक्ति जो उपरोक्त भूमि में मुखलफाना हक, स्वामित्व, कब्जा या अन्य कोई सम्बन्ध रखता है या किसी को इस बैय पर कोई ऐतराज है तो वह व्यक्ति उपरोक्त भूमि में अपने हक, दावे सम्बन्धी जरूरी दस्तावेजों व साक्ष्य सहित इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 14 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरित से सम्पर्क करे या भेजे, अन्यथा यह माना जायेगा कि कोई भी व्यक्ति उपरोक्त भूमि में कोई दावा, हक, स्वामित्व, कब्जा या किसी प्रकार का अन्य कोई सम्बन्ध नहीं रखता और मेरा मुव्वकिल उक्त अराजी के बैय से सम्बन्धित अग्रिम सभी कार्यवाही करेगा।

सर्वसाधारण को इस नोटिस के द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुव्वकिल के द्वारा निम्न कृषि भूमि का तबादलानामा प्रस्तावित है :–

SW/BSO/689+747

मनकि चन्दराम पुत्र रामानन्द पुत्र हरफुल, निवासी मकान न0 863/13, बालौर मार्ग, विजय नगर, बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा–124507 एवं बिस्वेदार गांव दरियापुर, तहसील बादली, जिला झज्जर (हरियाणा) में अराजी बरूवे इन्द्राज जमाबन्दी वर्ष 2022–23 व इंतकाल न0 3615 सेहतनामा, 3722 तकसीम के अनुसार अराजी खेवट न0 361 मिन/260, खाता न0 369 मिन, मु0 न0 48, किला न0 16/2(6–15), 17/1(2–12), 24/1(0–14), 25/1/1 (1–15), मु0 न0 49, किला न0 20/1(5–2), किते 5, तादादी रकबा 16 कनाल 18 मरले (2.1125 एकड़) सालम भाग वाका रकबा मौजा दरियापुर, तहसील बादली, जिला झज्जर का मालिक व काबिज है जिसका तबादला प्रथम पक्ष द्वारा मेरे मुव्वकिल के साथ किया जा रहा है तथा प्रथम पक्ष द्वारा मेरे मुव्वकिल को उपरोक्त समस्त भूमि तादादी रकबा 16 कनाल 18 मरले (2.1125 एकड़) पर कब्जा दिया जा रहा है।

अतः यदि कोई भी व्यक्ति जो उपरोक्त भूमि में मुखलफाना हक, स्वामित्व, कब्जा या अन्य कोई सम्बन्ध रखता है या किसी को इस तबादलानामा पर कोई ऐतराज है तो वह व्यक्ति उपरोक्त भूमि में अपने हक, दावे सम्बन्धी जरूरी दस्तावेजों व साक्ष्य सहित इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 14 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरित से सम्पर्क करे या भेजे, अन्यथा यह माना जायेगा कि कोई भी व्यक्ति उपरोक्त भूमि में कोई दावा, हक, स्वामित्व, कब्जा या किसी प्रकार का अन्य कोई सम्बन्ध नहीं रखता और मेरा मुव्वकिल उक्त अराजी के तबादले से सम्बन्धित अग्रिम सभी कार्यवाही करेगा।

दिनांक : 19.05.2026

विनय कुमार सैनी
एडवोकेट,
द्वितीय तल, म0 नं0–285, सैक्टर–14,
गुरूग्राम – 122001
Mobile : 9810203697
E-mail : svkggn@yahoo.com

पत्थरबाजी में कई जवान घायल हुए थे, वाहनों में तोड़फोड़ की थी

मैं एसी में बैठकर तमाशा नहीं देखूंगा, दोबारा इस तरह घटनाएं हुईं तो बर्दाश्त नहीं करूंगा

बंगाल में नमाज बैन पर खुलकर बोले सीएम शुभेंदु

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पुलिसकर्मियों पर हमले और तोड़फोड़ की घटनाओं को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और यदि ऐसी घटनाएं दोबारा हुईं तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा। सरकार ने सार्वजनिक जगहों पर नमाज पढ़ने पर रोक लगाई थी, जिससे सर्कस पार्क इलाके में जब अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई हुई तो लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिसमें कुछ अधिकारी घायल हो गए थे । कई वाहनों को नुकसान पहुंचा था।

मुस्लिम इलाकों में पत्थरबाजी से 8 जवान घायल

शुभेंदु ने बताया कि हिंसा में 6पुलिसकर्मी और सीआरपीएफ के 2 जवान घायल हो गए थे। उन्होंने कहा कि अब तक 40 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और जांच की निगरानी सीधे पुलिस कमिश्नर द्वारा की जा रही है। मैं स्पष्ट कह रहा हूं कि इस तरह की अशांति, गुंडागर्दी और राष्ट्रविरोधी, समाजविरोधी गतिविधियों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मैं चुप नहीं बैठूंगाः मुख्यमंत्री

शुभेंदु ने कहा कि भीड़ द्वारा उकसाए जाने के बावजूद उन्होंने संयम बरता। वे दिन बीत चुके हैं जब पुलिसकर्मी घायल हो जाते थे जबकि मंत्री वातानुकूलित कमरे में बैठे रहते थे। यह मत सोचिए कि पुराने नियम अब भी लागू होते हैं। मैं चुप नहीं बैठूंगा।

ग्रीष्म ऋतु में बैद्यनाथ का स्वास्थ्य रक्षा एवं औषधोपचार

नागपुर। आयुर्वेद में 6 ऋतुओं का उल्लेख है जो भारत देश में प्रकृति के द्वारा प्रदत है। हेमंत, शिशिर, बसंत, ग्रीष्म, वर्षा एवं शरद। होली के त्योहार के साथ ही ग्रीष्म ऋतु का भी आगमन हो ही जाता है। गर्मियों के मौसम में स्वास्थ्य की रक्षा के लिए विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। कभी धूप में निकलने से उल्टी, दस्त, बदहजमी, पेट दर्द, बुखार आना, पेशाब में जलन होना, छाती में जलन, एसिडिटी इत्यादि रोगों के लक्षण उत्पन्न होते है। इसी प्रकार के कुछ लक्षण हो तो निम्नलिखित औषधोपचार कर सकते है। खाने में अरूचि होने पर बैद्यनाथ द्राक्षासव स्पेशल का सेवन करें। एसिडीटी (अम्लपित) में खट्टी डकार आना, छाती में जलन होने पर बैद्यनाथ सूतशेखर रस व बैद्यनाथ अविपत्तिकर चूर्ण लेवें।

उद्धरण हेतु सार्वजनिक सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 हेतु नागरिक हस्पताल, नारनौल 123001 में जेएसएसके स्कीम (एनएचएम) के तहत जेएसएसके डाइट मद के लिए चिकित्सा अधीक्षक नागरिक हस्पताल, नारनौल द्वारा मोहरबंद उद्धरण आमंत्रित किए जाते हैं।

उद्धरण 01.06.2026 को पूर्वा. 11:00 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे और उसी दिन चिकित्सा अधीक्षक नागरिक हस्पताल, नारनौल 123001 के कार्यालय में खोले जाएंगे।

1. फर्म को जीएसटी पंजीकृत और उसके पास एक वैध खाद्य लाइसैंस अवश्य होना चाहिए।
2. जेएसएसके डाइट गायनी वार्ड, सर्जिकल वार्ड और मेडिकल वार्ड से प्राप्त डाइट स्लिप के अनुरूप दैनिक आधार पर आपूर्ति की जानी चाहिए।
3. उद्धरणों की स्वीकृति और निरस्तीकरण हेतु सभी अधिकार चिकित्सा अधीक्षक नागरिक हस्पताल, नारनौल 123001 के पास आरक्षित हैं।
4. उद्धरण दर वित्तीय वर्ष 2026–27 तक वैध अथवा अन्तिम निर्णय की तिथि से एक वर्ष के लिए वैध है।
5. उद्धरण उपयुक्त रूप से हस्ताक्षरित और मोहर लगा हुआ अवश्य होना चाहिए।
6. जेएसएसके डाइट मद विवरण की सूची चिकित्सा अधीक्षक नागरिक हस्पताल, नारनौल 123001 के कार्यालय से किसी भी कार्यदिवस को प्राप्त की जा सकती है।
7. सरकारी नियम के अनुरूप टीडीएस और जीएसटी की कटौती।

हस्ता/–चिकित्सा अधीक्षक
नागरिक हस्पताल, नारनौल 123001

पीआरडीएच–1058/11/1344/2027/45341/88/6 दि. 19.05.26

जब वर्षों से ईवीएम से चुनाव हो रहे तो अचानक बैलेट पेपर पर लौटने की क्या वजह?

■ पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का राज्य चुनाव आयोग से सवाल, ईवीएम बनाम बैलेट पेपर पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में तीखी बहस

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब में स्थानीय निकाय चुनावों को ईवीएम की बजाय बैलेट पेपर से कराने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में मंगलवार को लंबी और तीखी बहस हुई। सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह प्रमुख सवाल उठा कि जब राज्य चुनाव आयोग वर्षों से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का इस्तेमाल करता आ रहा था तो अब अचानक पारंपरिक बैलेट पेपर प्रणाली पर लौटने का औचित्य क्या है। याचिकाकर्ता पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि पंजाब राज्य चुनाव आयोग अधिनियम की धारा 64 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 61-ए लगभग समान प्रकृति की हैं। उन्होंने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि चुनाव प्रक्रिया को बैलेट पेपर प्रणाली में वापस ले जाने की मांग "अस्वीकार्य और अव्यवहारिक" है। वरिष्ठ वकील ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि ईवीएम प्रणाली को कानूनी वैधता वर्ष 2002 में ही मिल चुकी थी और उसके बाद लगातार अदालतों ने इसे बरकरार रखा है। बहस के दौरान अदालत के समक्ष यह भी रखा गया कि वर्ष 1984 में पहली बार ईवीएम के प्रयोग का प्रयास हुआ था, लेकिन उस समय वैधानिक प्रावधान नहीं होने के कारण उसे निरस्त कर दिया गया।

उत्तर रेलवे
ई–नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला छावनी द्वारा अंबाला मंडल के रेलवे स्टेशनों पर अनुबंधों के आवंटन के लिए IREPS वेबसाइट पर ई–नीलामी के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करते हैं।

रेट यूनिट : वार्षिक लाइसेंस फीस

S. N.	Lot No.	Auction Catalogue No.	Details	Auction Start Date & Time	Auction Close Date & Time
1.	Catg-UMB-MET-GMU-177-26-1	UMB-Ctg-06-2026	जनरल माइनर यूनिट–खानपान (जीएमयू) (आकार–10' x 6') स्टॉल नंबर–2, प्लेटफॉर्म संख्या–1, सामान्य श्रेणी के लिए मलेरकोटला रेलवे स्टेशन पर।	01.06.2026 at 12:00 hrs.	01.06.2026 at 12:30 hrs.
2.	Catg-UMB-UBC-GMU-161-25-1	UMB-Ctg-06-2026	रिफ्रेशमेंट रूम – जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू) (Size 40.61 sqm) सामान्य महिला श्रेणी के लिए अंबाला सिटी रेलवे स्टेशन।	01.06.2026 at 12:00 hrs.	01.06.2026 at 12:40 hrs.
3.	Catg-UMB-RAA-GMU-181-26-1	UMB-Ctg-06-2026	जनरल माइनर यूनिट–खानपान (जीएमयू) (आकार–10' x 6') स्टॉल नंबर–1, सर्कुलेटिंग एरिया में सामान्य श्रेणी के लिए बराड़ा रेलवे स्टेशन पर।	01.06.2026 at 12:00 hrs.	01.06.2026 at 12:50 hrs.

ई–नीलामी की अधिक जानकारी हेतु सभी भावी निविदाकर्ता रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें। 1662/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी/सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	नगर निगम रोहतक	प्रेम नगर रोड गली नं. 4–5 ULB_RTK_02110 वार्ड नं. 8, एम.सी. रोहतक में सी.सी. रोड का निर्माण और ऊपर उठाना + 3 कार्य।	18.05.2026 25.05.2026	रु. 53.37 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467717422 eemcrohtak@gmail.com
2	नगर निगम रोहतक	एम.सी. रोहतक में माता दरवाजा तालाब के पुनरोद्धार हेतु आकलन + 1 कार्य।	18.05.2026 28.05.2026	रु. 174.29 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467717422 eemcrohtak@gmail.com
3	नगर निगम रोहतक	वार्ड नं. 7, एम.सी. रोहतक में लोनिवि (भ व प) कॉलोनी की तरफ गोहाना अड्डा से सुखपुरा चौक तक आरसीसी नाला प्रिकास्ट स्लैब (0.800*0.450*0.100) की कवरिंग + 2 कार्य।	18.05.2026 25.05.2026	रु. 96.21 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467283967 xenmcrohtak@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in

संवाद–13/2027/60/45330/I/88/6 दि. 19.05.26

लंबरदार नियुक्ति पर न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता तय करने पर विचार करे पंजाब

10 साल से कार्यरत सातवीं पास लंबरदार की नियुक्ति बरकरार

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने पंजाब में गांवों के लंबरदारों की नियुक्ति को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए राज्य सरकार से इस पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता निर्धारित करने पर विचार करने को कहा है। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि मौजूदा नियमों में शैक्षणिक योग्यता निर्धारित न होने के कारण केवल कम पढ़ा-लिखा होना किसी उम्मीदवार को अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस हर्ष बांगर की पीठ ने पटियाला जिले के एक गांव में नियुक्त सातवीं पास लंबरदार की नियुक्ति को बरकरार रखा। इस नियुक्ति को एक अधिक शिक्षित और कम उम्र के उम्मीदवार ने चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता 12वीं पास था और उसका तर्क था कि चयनित उम्मीदवार न केवल कम शिक्षित है बल्कि उम्र में भी अधिक है, इसलिए उसे लंबरदार नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए था। हाई कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि पंजाब भूमि राजस्व नियमों में लंबरदार पद के लिए किसी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता का प्रावधान नहीं है।

पतंजलि ने की 1011 औषधीय पौधों की खोज

हरिद्वार। उत्तराखंड में अब तक 1300 औषधीय पौधों का रिकार्ड मिलता है। लेकिन अकेले पतंजलि ने जनजातीय क्षेत्रों के महज पांच जिलों में अध्ययन करके 1011 पौधों को खोज निकाला और अब इससे कहीं आगे बढ़कर उत्तराखंड के 13 जिलों में पतंजलि के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की टीम अन्य औषधीय पौधों की खोज में जुटी हुई है। जिसमें टीम को सकारात्मक परिणाम मिले हैं और यह उत्तराखंड में अब तक पाए गए 1300 औषधीय पौधों के रिकार्ड को भी पार कर सकती है। यह पहली बार होगा कि पूरे उत्तराखंड में नई औषधीय पौधों की खोज को लेकर नई तस्वीर सामने आ सकती है। आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण के निर्देशन और उनकी मौजूदगी में उत्तराखंड के चार जिलों देहरादून, चमोली, पिथौरागढ़ और उद्यमसिंहनगर में टीम गांव-गांव तक पहुंची। जब टीम ने जनजातीय लोगों से जानकारी जुटाने शुरू की तो कई अहम बातें सामने आने लगी। लगा जैसे जड़ी-बूटियों का छिपा खजाना मिल गया हो। टीम पहाड़ों और तराई के गांवों में खूब चली। आंकड़े खुद कहानी बनते चले गए। आचार्य की टीम 122 गांव, 14 तहसील तक गई। इन इलाकों में जाकर शोधकर्ताओं ने सीधे उन लोगों से बात की, जिनके पास पीढ़ियों से संचित चिकित्सा ज्ञान है। इस पहल में उत्तराखंड की प्रमुख जनजातियों की भागीदारी सामने आई है-जौनसारी (39 प्रति.), भोटिया (36 प्रति.), थारू (10 प्रति.), बुक्सा (9 प्रति.) और वन राजी (6 प्रति.)। देश में पहली बार जनजातियों की जियो टैगिंग डेटा भी पतंजलि ने किया- पतंजलि की टीम को पांच जिलों में जहां जनजातियां रहती है, लेकिन पतंजलि ने ही बताया कि 28 हजार के करीब जनजातीय परिवार यहां रहता है। इसके अलावा, इन जनजातीय परिवारों को कृषि, व्यवसाय, नौकरी-पेशा से जोड़ने का प्लेटफार्म भी पतंजलि ने ही उपलब्ध कराया।

कुछ विश्वविद्यालय सभ्यता के प्रतीक : डॉ. पी.के. मिश्रा

बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में पहुंचे पीएम के प्रधान सचिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने मंगलवार को बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने 14 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 221 स्नातकों को उपाधि प्राप्त करने पर बधाई दी और उनकी शैक्षणिक उपलब्धि को कड़ी मेहनत और लगन से हासिल किया गया मील का पत्थर बताया। डॉ. मिश्रा ने प्राचीन नालंदा महाविहार को इतिहास के सबसे महान शिक्षण केंद्रों में से एक बताते हुए कहा, कुछ विश्वविद्यालय केवल संस्थान होते हैं और कुछ ऐसे विश्वविद्यालय होते हैं जो सभ्यता के प्रतीक होते हैं। नालंदा इसी दूसरी श्रेणी में है। डॉ. मिश्रा ने इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और भौगोलिक महत्व का उल्लेख करते हुए नालंदा के इस मूल दर्शन पर बल दिया कि ज्ञान हमेशा संवाद के साथ जुड़ा होना चाहिए, यह विभिन्न विषयों से जुड़ा होना चाहिए और मानवता के व्यापक कल्याण की दिशा में निर्देशित होना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के नए हरित 'नेट जीरो' कैंपस की सराहना की जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। इस संदर्भ में उन्होंने बोधगया को भी याद किया जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। डॉ. मिश्रा ने कहा, वास्तव में पूरे एशिया महाद्वीप को भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से बहुत लाभ हुआ है। मुझे विश्वास है कि इस महान विश्वविद्यालय से ज्ञान का प्रसार दूर-दूर तक महाद्वीपों में होगा।

सार्वजनिक नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान के दौरान बिना वैध दस्तावेजों के कुल 31 मोटरसाइकिलें नियमानुसार जब्त की गई थीं। उक्त मोटरसाइकिलों के संबंध में संबंधित वाहन मालिकों/चालकों को समय-समय पर नियमानुसार नोटिस जारी किए गए, परंतु आज दिनांक तक किसी भी व्यक्ति द्वारा संबंधित वाहनों पर अपना वैध दावा प्रस्तुत नहीं किया गया है।

अतः संबंधित वाहन मालिकों/चालकों को अंतिम अवसर प्रदान करते हुए सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर अपने वाहन के वैध दस्तावेज प्रस्तुत कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार थाना शहर टोहाना में संपर्क करें तथा अपने वाहन पर दावा पेश करें। निर्धारित अवधि के भीतर दावा प्रस्तुत न किए जाने की स्थिति में उपरोक्त सभी वाहनों की नियमानुसार सार्वजनिक नीलामी कर दी जाएगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित वाहन मालिक/चालक की स्वयं की होगी। वाहनों की सूची थाना शहर टोहाना में कार्यालय समय के दौरान देखी जा सकती है।

क्र.स.	व्हीकल न.	दिनांक	धाराधीन	थाना	वर्तमान स्थिति
1.	HR-23C-7629	19.04.2020	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
2	HR-23B-9582	16.01.2021	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
3	HR-23F-2561	31.12.2023	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
4	HR-23J-7440	28.01.2021	MV ACT	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
5	HR-23C-3521	19.01.2021	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
6	PB-42A-5636	01.04.2020	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
7	HR-23B-9957	30.07.2020	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
8	HR-23B-1660	06.02.2021	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
9	HR-40-5092	29.07.2020	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
10	MBLHAR231H9C19829	29.03.2020	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
11	MD62MF14G1D22299	13.01.2021	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
12	MBLHA12EH99H02310	01.01.2024	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
13	HR-23D-5623	22.07.2020	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
14	PB-13T-7118	13.02.2021	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
15	HR-23F-8876	29.06.2024	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
16	HR-32G-8188	19.05.2023	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
17	PB-13J-1825	26.07.2020	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
18	PB-64A-1115	28.03.2020	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
19	HR-12E-3227	27.01.2021	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
20	MBLHA7175HHF01728	29.03.2021	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
21	MBLHA11ATG4F02102	21.01.2021	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
22	MD2A18AZ8FPK11437	13.10.2020	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
23	MD625MF59B3D37297	11.03.2019	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
24	MD62MF5783H12497	14.01.2021	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
25	HR-08B-4191	03.03.2021	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
26	HR-23B-5985	14.01.2021	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
27	HR-23K-2758	27.03.2023	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
28	HR-23H-9758	10.01.2025	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
29	HR-23E-4046	05.02.2019	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
30	HR-23F-0919	05.01.2024	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND
31	HR-23F-0955	11.02.2021	MV ACT.	थाना शहर टोहाना	IMPOUND

हस्ता/-पुलिस अधीक्षक
फतेहाबाद

पीआरडीएच 1084/11/4833/2027/45364/88/6 दि. 19.05.2026

भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी- पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वीं मंज़िल,
प्लाट P-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर,
गुडगाँव, हरियाणा - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor, Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6
सार्वजनिक सूचना

{कम्पनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कम्पनी (कम्पनी रजिस्टर से कम्पनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में}

सार्वजनिक नोटिस ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2026-27/259 दिनांकः-12/05/2026

संदर्भः

1. कम्पनी अधीनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित (40) कम्पनियों का नाम हरियाणा राज्य से हटाने के मामले में:

S.No	Work Item	CIN	Company Hindi Name
1	AC3023639	U70101HR2013PTC048557	हाउसर्स प्राइवेट लिमिटेड
2	AC3320326	U45309HR2022PTC104686	रिवुलेट इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड
3	AC3036198	U74999HR2020PTC124371	उन्मुक्त सीनियर हब प्राइवेट लिमिटेड
4	AC3049532	U15400HR2020PTC087270	जीडीआर फूड एंड हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड
5	AC3073962	U63040HR2022PTC104445	इंडो सीएनसी टूर्स एंड ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड
6	AC3079080	U51909HR2021PTC096780	वान्यासा प्राइवेट लिमिटेड
7	AC3081402	U72900HR2017PTC070609	इवेंटएग्रेट लैब प्राइवेट लिमिटेड
8	AC3093261	U85500HR2023PTC113641	एसडीए ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड
9	AC3097005	U95210HR2023PTC113753	एर्रावती इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
10	AC3121359	U35105HR2023PTC110487	राइज सोलर एंड एनवायरनमेंट रिसोर्सेज सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड
11	AC3125177	U47890HR2025PTC127558	आईसट बाजार प्राइवेट लिमिटेड
12	AC3154124	U47594HR2023PTC112350	आना इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
13	AC3119321	U86201HR2025PTC136648	हेतु मेड ब्रिज प्राइवेट लिमिटेड
14	AC3305369	U70109HR2019PTC078900	एसएमबीआर डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड
15	AC3174977	U68200HR2024PTC120750	सॉलिडहाइट्स इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड
16	AC3194587	U52520HR20210PC094154	योर स्टाइल कॉर्नर (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
17	AC3196797	U65992HR2008PTC038314	प्रीमियमस्टार चिट्स प्राइवेट लिमिटेड
18	AC3220960	U51909HR2020PTC085131	ओके लाइफ बीट प्राइवेट लिमिटेड
19	AC3201269	U55209HR2021PTC095537	ओमेगा स्टेज प्राइवेट लिमिटेड
20	AC3235278	U79120HR2025PTC127495	आयबा टुंगा प्राइवेट लिमिटेड
21	AC3245429	U24109HR2023PTC112690	जे आर एच एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड
22	AC3252561	U11049HR2024PTC122310	सिप्पल जॉय एफ एंड बी प्राइवेट लिमिटेड
23	AC3275760	U63000HR2015PTC056576	श्री तिरुपति जी एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड
24	AC3292831	U17299HR2021PTC096924	एवसॉफ्ट फैशन प्राइवेट लिमिटेड
25	AC3298499	U63030HR2021PTC098124	ट्रैवलुक हॉलिडेज प्राइवेट लिमिटेड
26	AC3309490	U61209HR2023PTC116208	वर्टेग पावर प्राइवेट लिमिटेड
27	AC3300757	U80100HR2024PTC123722	वाई.एस.ओ.वी सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
28	AC3333069	U15490HR2021PTC096414	थिंकर्स ज़िला प्राइवेट लिमिटेड
29	AC3326955	U74999HR2020PTC088594	इश्राज होम डोर मार्ट प्राइवेट लिमिटेड
30	AC3334334	U74140HR2015PTC056430	संशिन फिटनेस प्राइवेट लिमिटेड
31	AC3347558	U96906HR20240PC125997	अस्ट्रोनीरज द्विवेदी (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
32	AC3356551	U74999HR20200PC087268	डीआईवाई सूत्र (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
33	AC3363048	U93090HR2018PTC072121	गोल्डनविंग्स फैसिलिटीज मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड
34	AC3373775	U63119HR2023PTC117582	स्विशफिन टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड
35	AC2834200	U80904HR2021PTC099782	डब्ल्यूओजे नॉर्थ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
36	AC2834751	U80900HR2021FTC099223	डब्ल्यूओजे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
37	AC2793873	U74140HR2014PTC052247	निटियो कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड
38	AC2877638	U34300HR2019FTC081063	हावल मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
39	AC3020261	U40106HR2019PTC082958	तालेत्तुतायी सोलर प्रोजेक्ट्स एट प्राइवेट लिमिटेड
40	AC3287954	U74999HR2020PTC090205	ट्राइब किचन्स प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कम्पनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कम्पनियों के नाम कम्पनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कम्पनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कम्पनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कम्पनी ने निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कम्पनी के रूप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अतः कम्पनी ने रजिस्ट्रार से अपना/अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है।
3. तदनुसार, कम्पनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कम्पनियों के नामों को कम्पनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है।
4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को/कम्पनी को कम्पनी रजिस्ट्रार से कम्पनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।

इरकन तिर्की
उप-पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र

CBC 07123/11/0121/2627

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प फतेहाबाद	फतेहाबाद में 7 अदद ए टाइप राजस्व आवास में मॉड्यूलर किचन का प्रावधान (गोदरेज मेक) (जीएसटी के बिना) + 1 कार्य।	18.05.2026 25.06.2026	108.18 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01667-220120 pwd-eepd-fatehabad@hry.nic.in
2	पंचायती राज रेवाड़ी	गांव लिसान ब्लॉक डहीना जिला रेवाड़ी में लिसान से गोठड़ा टप्पा डहीना तक सम्पर्क रोड का निर्माण (एचजीवीवाई) + 2 कार्य।	18.05.2026 27.05.2026	209.90 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466112077 xenpr.rwr@gmail.com
3	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा सिरसा	आरडी 0–82100–टेल (खरीफ 2026) बीयूपीपी सेक्शन से शेखुपुरा डिस्टी. की आंतरिक और बाह्य सफाई + 5 कार्य।	18.05.2026 25.05.2026	17.66 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9996665761 xensrs.swd1925@yahoo.com
4	कल्पना चावला राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय करनाल	केसीजीएमसी, करनाल में कैफेटेरिया सेवाओं के प्रावधान हेतु ई–निविदा के सम्बन्ध में।	22.05.2026 08.06.2026	ईएमडी 10000	https://etenders.hry.nic.in	8295340665 director.kcghc-hry@gov.in
5	कल्पना चावला राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय करनाल	केसीजीएमसी, करनाल में मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टम (एमजीपीएस) के व्यापक रखरखाव अनुबंध (सीएमसी) हेतु ई–निविदा के सम्बन्ध में।	22.05.2026 08.06.2026	ईएमडी 70000	https://etenders.hry.nic.in	8295340665 director.kcghc-hry@gov.in
6	जिला परिषद सोनीपत	गांव जाहरी में उप स्वास्थ्य केन्द्र + 1 कार्य।	14.05.2026 21.05.2026	129.39 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9416391006 prexeengzp.snp@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in

पीआरडीएच–11/2027/120/45354/I/88/6 दि. 19.05.26

खबर संक्षेप

पूर्वांकरा ने चौथी तिमाही में 110 करोड़ का मुनाफा कमाया

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी पूर्वांकरा लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में 109.95 करोड़ रहा है। मुख्य रूप से बेहतर आय के कारण कंपनी मुनाफा कमा पाई है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में कंपनी को 88 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 1,540.99 करोड़ हो गई जो एक साल पहले इसी तिमाही में 563.70 करोड़ थी।

बीएलएस ई-सर्विसेज का लाभ बढ़कर 18.2 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी आधारित डिजिटल सेवा प्रदान करने वाली कंपनी बीएलएस ई-सर्विसेज लि. का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 5.4 प्रतिशत बढ़कर 18.2 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में कंपनी का मुनाफा 17.3 करोड़ था। कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय 35.2% बढ़कर 323.4 करोड़ हो गई जो पिछले वर्ष समान अवधि में 239.2 करोड़ रुपये थी।

वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी जानकारी

भारत-यूरोपीय संघ के बीच एफटीए से घरेलू वाहन विनिर्माण को मिलेगी मदद: अधिकारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारत में अधिक निवेश आकर्षित करने और देश में वाहन विनिर्माण को बढ़ावा देने में मददगार होगा। वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह बात कही। दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की। यह समझौता अगले वर्ष से लागू होने की संभावना है।

■ दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को व्यापार समझौते की बातचीत पूरी की

वाणिज्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन ने कहा कि समझौते पर बातचीत के दौरान वाहन क्षेत्र एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र के रूप में सामने आया। इसकी वजह यह है कि भारत में आयात शुल्क अधिक है, लेकिन देश ने इस समझौते के माध्यम से उन चुनौतियों को अवसरों में बदल दिया है। जैन ने कहा कि भारत ने इस क्षेत्र में कोटा-आधारित, दीर्घकालिक समाधान प्रदान किए हैं ताकि यूरोपीय संघ को भी रियायतें मिलें और भारतीय उद्योग को पर्याप्त संरक्षण भी प्राप्त हो। उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते पर उद्योग मंडल फिक्की के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''इससे भारत में अधिक निवेश होगा...। भारत में अधिक वाहनों का विनिर्माण होगा और तीसरे देशों को निर्यात बढ़ेगा। इस प्रकार भारत यूरोपीय संघ की मूल्य श्रृंखला में एकीकृत हो जाएगा।''

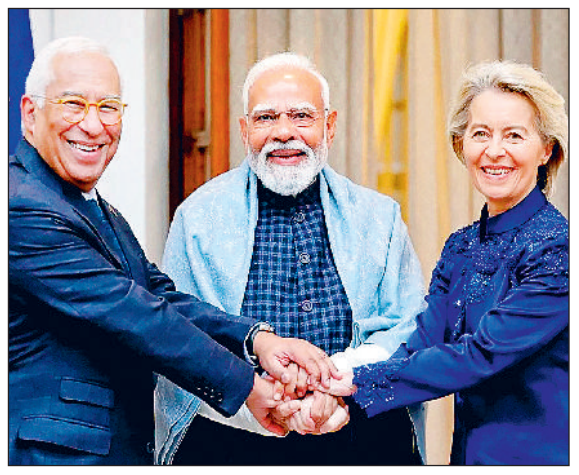

सात यूरोपीय देशों से अभी बातचीत जारी

जैन ने यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के साथ सामाजिक सुरक्षा समझौतों (एसएसए) पर कहा कि भारत का पहले से ही समूह के 27 सदस्य देशों में से 14 देशों के साथ यह समझौता है। उन्होंने कहा, ''हम इस बारे में सात यूरोपीय देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं और छह अन्य देशों के साथ समझौते की योजना बनाई जा रही है।''

यूरोपीय कारों पर शुल्क धीरे-धीरे 10 फीसदी करने पर सहमति : भारत द्वारा यूरोपीय संघ के साथ एफटीए के तहत आयातित यूरोपीय कारों पर शुल्क को 110 प्रतिशत से धीरे-धीरे घटाकर 10 प्रतिशत करने पर सहमति जताने के बाद, आयातित यूरोपीय कारों की कीमतों में व्यापक रूप से गिरावट आने का अनुमान है। यह शुल्क प्रति वर्ष 2.5 लाख वाहनों पर लागू होगा, जो ब्रिटेन को दिए जाने वाले शुल्क से छह गुना अधिक है।

सामाजिक सुरक्षा कोष में दोहरी राशि का योगदान से बचेंगे

ये समझौते यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में सीमित अवधि के लिए काम करने वाले भारतीय पेशेवरों को सामाजिक सुरक्षा कोष में दोहरी राशि का योगदान करने से बचाने में मदद करते हैं। ये समझौते इस लिहाज से महत्वपूर्ण हैं कि बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में काम कर रहे हैं। जैन ने कहा, ''इनमें से कई लोग एक निश्चित अवधि के लिए काम करते हैं और कई बार जहां हमारे पास सामाजिक सुरक्षा सहायता योजना (एसएसए) नहीं होती है।

40 से अधिक मुक्त व्यापार समझौते किए

भारत और सदस्य देशों में भी सामाजिक सुरक्षा में योगदान देना पड़ता है, लेकिन वे इसका लाभ नहीं उठा पाते। इसलिए हमने यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के साथ सामाजिक सुरक्षा समझौते करने के लिए एक सुगम व्यवस्था बनाई है।'' जैन ने यह भी कहा कि यूरोपीय संघ ने 70 देशों के साथ 40 से अधिक मुक्त व्यापार समझौते किए हुए हैं, जिनसे भारतीय निर्यातकों को लाभ मिल सकता है।

देश में अधिकतम बिजली की मांग रिकॉर्ड 260.45 गीगावाट पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में अधिकतम बिजली की मांग मंगलवार को 260.45 गीगावाट के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई। इसका मुख्य कारण भीषण गर्मी के बीच एयर कंडीशनर (एसी) और डेजर्ट कूलर जैसे ठंडक प्रदान करने वाले उपकरणों का बढ़ता उपयोग रहा। विद्युत मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा,आज दोपहर तीन बजकर 40 मिनट पर 260.45 गीगावाट (सौर ऊर्जा घंटे) की अधिकतम बिजली मांग सफलतापूर्वक पूरी की गई। यह एक नया रिकॉर्ड है। इसने कल की 257.37 गीगावाट (सौर ऊर्जा घंटे) की अधिकतम मांग को भी पार कर लिया है जिसे भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया था। मंत्रालय के अनुसार, सोमवार को दोपहर तीन बजकर 42 मिनट पर अधिकतम मांग 257.37 गीगावाट दर्ज की गई और इसे पूरा किया गया। यह 25 अप्रैल, 2026 को दर्ज किए गए पिछली रिकॉर्ड मांग 256.1 गीगावाट से अधिक थी। मंत्रालय का अनुमान है कि इस गर्मी में देश की अधिकतम बिजली मांग 270 गीगावाट तक पहुंच सकती है।

■ मांग का कारण एसी और कूलर का बढ़ता उपयोग

पश्चिम एशिया संघर्ष से बढ़ी महंगाई ने तोड़ी देश के आम आदमी की कमर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट जंग की आंच देश दुनिया से होती हुई अब आपके घर पहुंच गई और आपको पता भी नहीं चला। मिडिल ईस्ट जंग ने मध्यम वर्गीय भारतीयों पर काफी बुरा असर डाला है, जिससे उन्हें रोज़ाना के खर्चों में शामिल कई चीज़ों के लिए ज़्यादा पैसे देने पड़ रहे हैं। साबुन, डिटर्जेंट, दूध, पेट्रोल डीजल से लेकर सोने-चांदी तक सभी की कीमतों में उछाल आया। चाहे एलपीजी की ज़्यादा कीमतें हों जो सीधे खाने की चीजों पर असर डालती हैं या फॉरेन एक्सचेंज के आउटफ्लो को रोकने के लिए ज़रूरी गोल्ड इंपोर्ट ड्यूटी में बढ़ोतरी, इस जंग ने किसी भी सेक्टर को अछूता नहीं छोड़ा है। कई सेगमेंट की कंपनियों ने पहले ही कम से कम एक बार कीमतों में बढ़ोतरी की है और एनर्जी सप्लाई में रुकावट के कारण इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी को देखते हुए जल्द ही एक और दौर की बढ़ोतरी की भी सोच रही हैं। ब्लू स्टार के एमडी बी त्यागराजन ने इस महीने की शुरुआत में एक अर्निंग्स कॉल में कहा, "मान लीजिए, कल पेट्रोलियम की कीमतें बढ़ती हैं और इस दौरान महंगाई अपने पीक पर होती है, तो कंज्यूमर सेंटिमेंट उन्हें खर्च न करने के लिए मजबूर कर सकते हैं।"

टाटा स्टारबक्स का घाटा कम होकर 49 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा स्टारबक्स का वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध घाटा कम होकर 49.47 करोड़ रुपये रह गया है। स्टोर विस्तार और बिक्री बढ़ने से कंपनी का घाटा कम हुआ है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) की ताजा सालाना रिपोर्ट के अनुसार, 2024-25 में यह घाटा 135.7 करोड़ रुपये था। इस वित्त वर्ष के दौरान राजस्व सात प्रतिशत बढ़कर 1,367 करोड़ रुपये हो गया। टाटा स्टारबक्स, टीसीपीएल और अमेरिका स्थित स्टारबक्स कारपोरेशन के साथ बराबर की साझेदारी वाले साझा उपक्रम में स्टारबक्स कैफे की क्यूएसआर श्रृंखला का संचालन करती है। रिपोर्ट में कहा गया, 'कंपनी ने इस वर्ष 23 नए स्टोर खोले।'

अंतिम समय में तेज बिकवाली से शेयर बाजार में गिरावट

मुंबई (एजेंसी)। कारोबार के अंतिम समय में तेज बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 114 अंक के नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 32 अंक की गिरावट आई। रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने को लेकर चिंताएं बढ़ने के साथ एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हुई। इसके साथ वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमत ने भी बाजार धारणा को प्रभावित किया। हालांकि, आईटी शेयरों में मजबूत लिवाली से गिरावट पर कुछ अंकुश लगा। कारोबार के दौरान बाजार में ज्यादातर समय तेजी रही। लेकिन कारोबार समाप्त होने से पहले तेज बिकवाली से बाजार नुकसान में बंद हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 114.19 अंक की गिरावट के साथ 75,200.85 अंक पर बंद हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद कारोबार के दौरान एक समय यह 431.23 अंक बढ़कर 75,746.27 अंक पर पहुंच गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 31.95 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,618 अंक पर बंद हुआ।

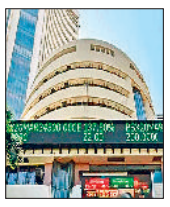

सोना 800 रुपये चढ़ा चांदी 5,000 रुपये टूटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान बातचीत में कामयाबी के संकेतों से महंगाई के दबाव की चिंता कम होने के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 800 रुपये बढ़कर 1.63 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। स्थानीय सर्राफा बाजार के जानकारों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार के बंद स्तर 1,62,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से 800 रुपये बढ़कर 1,63,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई। हालांकि, कमजोर औद्योगिक मांग और वैश्विक बाजार में सुस्त रुख के कारण चांदी की कीमतें 5,000 रुपये घटकर 2,71,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गईं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''अमेरिका-ईरान के बीच फिर से बातचीत की उम्मीद बढ़ने से मंगलवार को सोने की कीमतों में उछाल आया, जिससे लंबे समय से ऊर्जा संचालित महंगाई दबाव को लेकर कुछ चिंताएं कम हुईं।

जीएनएफसी का मुनाफा 88% बढ़कर 396 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (जीएनएफसी) का मार्च, 2026 को समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 88 प्रतिशत बढ़कर 396 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल इसी तिमाही में उसका शुद्ध मुनाफा 211 करोड़ रुपये था। कंपनी ने एक नियामकीय सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,333 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 2,177 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, जीएनएफसी का शुद्ध मुनाफा पिछले वित्त वर्ष के 597 करोड़ रुपये से बढ़कर 808 करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 के 8,393 करोड़ रुपये की तुलना में 2025-26 में कंपनी की कुल आय घटकर 8,272 करोड़ रह गई।

देश को शोध और विकास पर निवेश बढ़ाना चाहिए : रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीति आयोग ने कहा कि देश में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) परिवेश को मजबूत करने के लिए भारत को अगले चार से पांच वर्षों में इस क्षेत्र में अपने निवेश को मौजूदा के 0.64 प्रतिशत से बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का कम से कम दो प्रतिशत करना चाहिए। आयोग ने ''ईज ऑफ डूइंग रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन इंडिया - रिमूविंग ऑब्स्टेकल्स, प्रमोटिंग एनेबलर्स'' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा कि सरकार को आरएंडडी से जुड़ी खरीद पर पांच प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) स्लैब बहाल करने पर विचार करना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया, भारत के आरएंडडी परिवेश को मजबूत करने के लिए अनुसंधान एवं विकास में राष्ट्रीय निवेश को मौजूदा के 0.64 प्रतिशत से बढ़ाकर अगले चार से पांच साल में कम-से-कम जीडीपी के दो प्रतिशत तक ले जाने की तत्काल जरूरत है। नीति आयोग ने यह भी सुझाव दिया कि इस क्षेत्र में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने के लिए भारत को समयबद्ध और चरणबद्ध प्रोत्साहन देने की जरूरत है।

आईओसी का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 56 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसी) का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 56 प्रतिशत बढ़कर 11,377.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईओसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चौथी में उसका एकल आधार पर शुद्ध लाभ बढ़कर 11,377.51 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 की समान तिमाही में 7,264.85 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि इस तिमाही में उसे पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस एलपीजी को लागत से कम कीमत पर बेचने के कारण भारी नुकसान हुआ। लेकिन इसके बावजूद उसने मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ 36,802.42 करोड़ रुपये रहा।

रुपया 32 पैसे टूटकर 96.52 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर

मुंबई। रुपया मंगलवार को कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 96.60 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक टूटने के बाद अंत में 96.52 (अस्थायी) पर बंद हुआ। यह इसका सबसे निचला बंद स्तर है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वैश्विक जोखिम से बचाव की प्रवृत्ति, मजबूत डॉलर से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। रुपया 2026 में एशिया की सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गया है। इस महीने अबतक इसमें 1.5 प्रतिशत और इस साल सात प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय, सोनीपत।

DD.NO. 36 दिनांक 15.05.2026 धारा 194 बी.एन.एस.एस. थाना सदर सोनीपत जिला सोनीपत ।

नाश की पहचान

नाम- नामपता नामालूम ।
पिता का नाम नामालुम ।
पता-नामालुम ।
उम्र-करीब 25 वर्ष ।
कद-5 फुट 8 ईन्च ।
हुलियाः- रंग सावंला, गोल चेहरा, गली-सड़ी अवस्था, आखें बंद, दाहिने हाथ पर त्रिशूल व गोल टैटु बना हुआ हैं।
पहनावाः-, दाहिने कान में सोने की बाली, JOCKEY अड़रवीयर, बाकी शरीर नग्न अवस्था में है।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 15.05.2026 को एक नामपता नामालुम व्यक्ति की नाश पश्चिम यमुना लिंक नहर बाहद रकबा गांव बड़वासनी के बीच नहर के किनारे से मिली है। नाश की शिनाख्त नही हो सकी है। नाश को शिनाख्त के लिए सिविल अस्पताल सोनीपत की मोचरी में 72 घंटों के लिए रखवाया गया है। अगर किसी को उपरोक्त नाश के बारे कोई सुराग मिले तो निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित करे।
प्रबन्धक थाना मो० न0-7419410534
अनुसंधान कर्ता मो० न0 - 8901233444
पुलिस कन्ट्रोल रुम सोनीपत- 0130-2222903

हस्ता/-अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त ।
मुख्यालय, सोनीपत ।
पीआरडीएच-1084/11/4831/2027/45347/88/6 दि. 19.05.2026

सरपंच ग्राम पंचायत बनवासा
खण्ड कथूरा, जिला सोनीपत, हरियाणा

सूचना

आप सभी को सूचित किया जाता है कि दिनांक 29.05.2026 को गांव बनवासा में रामसर वाले, एससी समाज वाले, आल्हा वाले तालाब को मछली पालन के लिए पट्टे पर देने के लिए सुबह 11 बजे बीच वाली चौपाल में खुली बोली करवाई जाएगी।

हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत बनवासा
तहसील गोहाना (सोनीपत)
मो. नं. 9813772421, 9813746066

पूर्व रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं.: 32-एमएलडीटी-26-27, दिनांक 05.05.2026, 46-एमएलडीटी-26-27, दिनांक 14.05.2026 (सिविल एवं परिवहन कार्य), मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा, मालदा ऑफिस बिल्डिंग, डाकघर-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं. 1, निविदा सं. 32-एमएलडीटी-26-27, कार्य का नाम :** वरिष्ठ मंडल अभियंता-II/पूर्व रेलवे, मालदा के अधिकार क्षेत्र में सहायक अभियंता/साहिबगंज के अधीन, साहिबगंज में क्रू लॉबी और रनिंग रूम के विस्तार तथा मौजूदा क्रू लॉबी और रनिंग रूम के नवीनीकरण कार्य के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 2,17,50,774.77, **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** 29.05.2026 को 15.30 बजे। **क्रम सं. 2, निविदा सं. 46-एमएलडीटी-26-27, कार्य का नाम :** "वरिष्ठ मंडल अभियंता-II/पूर्व रेलवे, मालदा के अधिकार क्षेत्र में रखरखाव गतिविधि कार्यों के संबंध में विभिन्न ट्रैक डिपो से पी.वे सामग्री जैसे रेल, स्लीपर, स्विच, एसईजे, ग्लूड जॉइंट, पी.वे फिटिंग्स आदि के परिवहन कार्य" के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 53,86,081.80, **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** 05.06.2026 को 15.30 बजे। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट : www.ireps .gov.in/** मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय/ मालदा टाउन।

MLD-51/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

ई-निविदा सूचना

मूल निर्माताओं / वितरकों / प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों को निम्नलिखित जॉब्स / सामग्री के लिए ई-टेंडरिंग द्वारा उनकी दरें जमा करवाना आवश्यक है - 1) सीआई कास्टिंग की खरीद, 2) ट्रैश प्लेट्स और स्क्रैपर की खरीद, 3) चाकू, हथौड़े और टिप्स की खरीद, 4) एफडी फैन इम्पेलर की खरीद, 5) नए क्लेरिफायर की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन तथा मौजूदा क्लेरिफायर का विखण्डन, 6) लोहा और स्टील की खरीद, 7) एमएस पाइप्स की खरीद, 8) सिविल कार्य का एआरसी, 9) वेल्डिंग सामग्री का एआरसी, 10) एसएस ट्यूब्स सहित सेमी-केस्टनर कैलेंड्रिया को बदलना, 11) एसएस ट्यूब्स की खरीद, 12) टरबाइंस, त्रिवेणी मेक के स्पेयर्स और सर्विसिंग। विस्तृत निविदा प्रपत्र उपरोक्त मदों के अनुसार ई-टेंडरिंग पोर्टल- http://etenders.hry.nic.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। निविदा ई-टेंडरिंग पोर्टल http://etenders.hry.nic.in के माध्यम से 27.05.2026 को पूर्वा. 11.00 बजे या इससे पूर्व ऑनलाइन पहुंच जानी चाहिए और ये 27.05.2026 को पूर्वा. 11.30 बजे खोली जाएंगी और नेगोसिएशन 29.05.2026 को पूर्वा. 11.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आयोजित की जाएगी। सामग्री की खरीद और जॉब वर्क सरकारी नीति के अनुरूप किए जाएंगे। मिल प्रबंधन बिना कोई कारण बताए किसी/सभी निविदा/निविदाओं, मद/मदों को स्वीकार/रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हस्ता/- प्रबंध निदेशक
संवाद-1039/11/127/2027/45317/सी/88/6 दि. 19.05.26

राशिफल

मेष — खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। लाभ में कमी रहेगी।

वृष — नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान रहेगा। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

मिथुन — नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

कर्क — शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सन्तान की ओर से कोई सुखद समाचार मिल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। सुस्वाद खानपान में रुचि रहेगी।

सिंह — कारोबार में सुधार होगा। किसी मित्र का सहयोग मिलेगा। क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा की मानसिकता हो सकती है। वाणी में सौम्यता रहेगी।

कन्या — किसी मित्र के सहयोग से नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

तुला — पिता से धन प्राप्त हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

वृश्चिक — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। सेहत का ध्यान रखें। बातचीत में सन्तुलन बनाए रखें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

धनु — भाई-बहनों से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता-पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में मेहनत अधिक रहेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। वाहन सुख में वृद्धि होगी। खर्चों की अधिकता से परेशान रहेंगे।

कुंभ — कारोबार में कुछ परिवर्तन की सम्भावना बन रही हैं। आय में वृद्धि होगी। यात्रा खर्च बढ़ेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन — दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। अपनी भावनाओं का वश में रखें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

पिछले कुछ दिनों से वैश्विक शेयर बाजार में कत्लेआम का असर

दुनिया की टॉप 100 कंपनियों में अब एक भी इंडियन नहीं

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कॉरपोरेट जगत और शेयर बाजार के लिए एक बेहद निराशाजनक खबर सामने आई है। शेयर मार्केट में पिछले काफी समय से जारी गिरावट ने देश की सबसे बड़ी और मूल्यवान कंपनियों के मार्केट कैप को बड़ी चोट पहुंचाई है। यही वजह है कि कई वर्षों में यह पहला ऐसा मौका है, जब बाजार पूंजीकरण के आधार पर दुनिया की शीर्ष 100 सूचीबद्ध कंपनियों की सूची में भारत की किसी कंपनी का नाम नहीं है। साल 2025 की शुरुआत तक भारत की तीन दिग्गज कंपनियां- रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज शीर्ष 100 कंपनियों की सूची में शामिल थी। लेकिन बाजार में आई गिरावट के कारण अब इनमें से एक भी कंपनी टॉप-100 में अपनी जगह बचाने में कामयाब नहीं हो सकी है।

रिलायंस की रैंकिंग 73 से 106 हुई

रिलायंस इंडस्ट्रीज 2025 की शुरुआत में वैश्विक रैंकिंग में 57वें और 2026 की शुरुआत में 73वें स्थान पर थी। अब यह फिसलकर सीधे 106वें स्थान पर पहुंच गई है। देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक की हालत और भी खराब हुई है। बैंक 2025 की शुरुआत में 97वें स्थान पर था जो आज लुढ़ककर सीधे 190वें पायदान पर जा गिरा है। देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर निर्यातक कंपनी टीसीएस की वैश्विक रैंकिंग में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई है। साल 2025 की शुरुआत में 84वें और 2026 की शुरुआत में 171वें स्थान पर रहने वाली टीसीएस अब फिसलकर सीधे 314वें स्थान पर पहुंच गई है।

शब्द पहेली - 6231

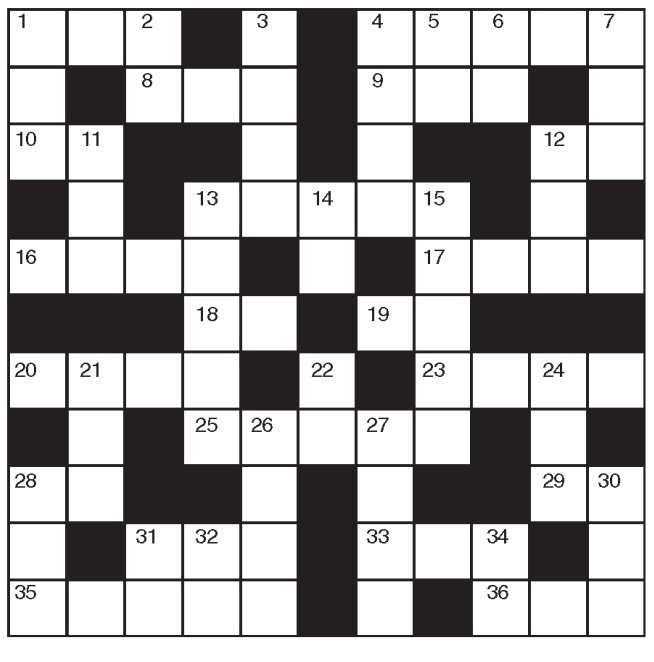

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली- 6230 का हल

ना	म	क	मा	ना	■	स	म	झ	दा	र
म	■	र	ह	म	■	म	द	न	■	म
र	त	■	■	ची	■	झो	■	■	वा	णी
ख	स	■	ना	न	ख	ता	ई	■	रा	य
ना	ला	य	क	■	त्म	■	मा	त	ह	त
■	■	■	क	था	■	का	न	■	■	■
प	न	घ	ट	■	आ	■	दा	न	वी	र
व	र	■	ना	ना	स	सु	र	■	र	वि
न	म	■	■	म	■	वा	■	■	ता	न
सु	■	आ	स	व	■	ल	ह	र	■	य
त	ल	ब	गा	र	■	न	क	ब	ज	न

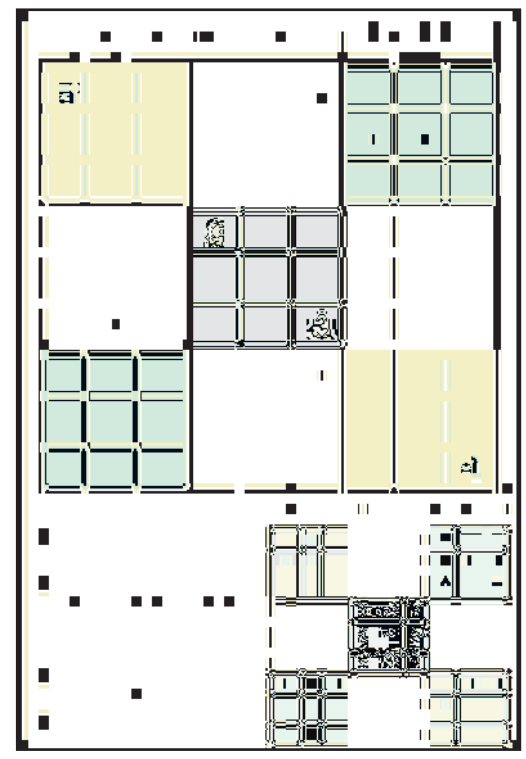

रेलवे ने 3 बड़ी परियोजनाओं को दी मंजूरी

वैष्णो देवी कटड़ा रेल रूट बनेगा अभेद्य, विश्वसनीय कनेक्टिविटी बढ़ेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने देश के रेल नेटवर्क को और मजबूत, सुरक्षित और रफ्तार देने के लिए 2193 करोड़ के 3 बड़े प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी है। रेल मंत्रालय की ओर से मंगलवार को बताया गया कि प्रोजेक्ट का उद्देश्य जम्मू-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रूट पर सुरक्षा बढ़ाना, व्यस्त हावड़ा-दिल्ली कॉरिडोर की क्षमता का विस्तार करना और चेन्नई के सबअर्बन नेटवर्क में भीड़भाड़ को कम करना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कटड़ा सेक्शन पर होने वाले काम देश के सबसे चुनौतीपूर्ण इलाकों में सुरक्षित और विश्वसनीय कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। वहीं, अन्य दो प्रोजेक्ट्स से यात्री और मालगाड़ियों दोनों के संचालन में बड़ा सुधार होगा।

माल ढुलाई को मजबूती मिलेगी

ट्रेनों की आवृत्ति बढ़ाना और ठहराव समय घटेगा

कटड़ा सेक्शन के लिए 238 करोड़ का सुरक्षा पैकेज

- जम्मू-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेल खंड पर भूस्खलन, टनल पुनर्वास, टनल से पानी के रिसाव को रोकने और संवेदनशील स्थानों पर पुलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- यह इसलिए क्योंकि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और खराब मौसम के कारण इस रूट पर परिचालन में कई चुनौतियां आती हैं। हर साल लाखों तीर्थयात्री इस मार्ग से वैष्णो देवी जाते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए यह प्रोजेक्ट बेहद अहम है।

962 करोड़ में क्यूल-झाझा तीसरी लाइन

हावड़ा-दिल्ली कॉरिडोर की क्षमता का विस्तार करने के उद्देश्य से इस 54 किलोमीटर लंबी तीसरी लाइन को बनाया जाएगा। फिलहाल क्यूल और झाझा के बीच की डबल लाइन अपनी क्षमता से अधिक पर काम कर रही है। इस तीसरी लाइन के बनने से ट्रेनों की लेटलतीफी कम होगी और मालगाड़ियों के संचालन में आसानी होगी। यह रूट कोलकाता/हल्दिया बंदरगाहों और नेपाल को जोड़ने के साथ-साथ कई थर्मल पावर प्लांट के लिए कोयला और माल ढुलाई का मुख्य जरिया है।

यह सुधार किया जाएगा

- *चेन्नई उपनगरीय सर्कुलर नेटवर्क के इस सिंगल लाइन सेक्शन को डबल लाइन में बदला जाएगा। यह लाइन 68 किलोमीटर लंबी होगी।*
- *अभी इस सिंगल लाइन पर बहुत ज्यादा ट्रैफिक है। इसके डबल होने से लोकल ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी बढ़ेगी और यात्रियों का समय बचेगा।*
- *यह कॉरिडोर महिंद्रा वर्ल्ड सिटी और श्रीपेरंबुदूर जैसे बड़े औद्योगिक केंद्रों को जोड़ता है। इसके अलावा, प्रस्तावित परंदूर एयरपोर्ट भी इसी रूट के पास है।*

आर्थिक और औद्योगिक विकास को मिलेगी गति

वैष्णव ने बताया कि इन परियोजनाओं से न केवल आम यात्रियों का सफर आसान और सुरक्षित होगा, बल्कि सीमेंट, ऑटोमोबाइल, खाद्यान्न, लोहा और इस्पात जैसी प्रमुख वस्तुओं की ढुलाई में भी तेजी आएगी। यह कदम औद्योगिक विकास और व्यापार कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। यह मार्ग महिंद्रा वर्ल्ड सिटी, श्रीपेरंबदूर, ओरगडम और इरुंगट्टुकोट्टई जैसे प्रमुख औद्योगिक केंद्रों को जोड़ता है। इसके अलावा, कांचीपुरम के निकट प्रस्तावित परंदूर हवाईअड्डा परियोजना के पास होने से इस रेलखंड की रणनीतिक अहमियत और बढ़ गई है। रेल मंत्रालय ने बताया कि दोहरीकरण पूरा होने के बाद उपनगरीय सेवाओं के साथ-साथ माल गाड़ियों की आवाजाही भी सुगम होगी, जिससे क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और यात्रियों को तेज, सुरक्षित तथा अधिक विश्वसनीय रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी। यह परियोजना चेन्नई मेट्रोपोलिटन क्षेत्र के बढ़ते यातायात को देखते हुए रेलवे की बड़ी आधारभूत संरचना विकास योजनाओं में शामिल है।

खबर संक्षेप

ओडिशा में युवक-युवती को लाठियों से खूब पीटा

ब्रह्मपुर। ओडिशा के ब्रह्मपुर शहर में युवक और महिला मित्र को बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिखा रहा है कि युवक जमीन पर गिरा हुआ है। दो युवक उसपर डंडों से हमला कर रह हैं। युवक को बचाने के लिए उसकी महिला उसके ऊपर लेट जाती है। इसके बावजूद हमलावर उस हमला करते रहते हैं। इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार रात को उस समय हुई जब दोनों मोटरसाइकिल से जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि बिजीपुर इलाके में कुछ लोगों ने कथित तौर पर मोटरसाइकिल को रोक लिया और व्यक्ति को सड़क पर गिराकर लाठियों से पीटा।

न्यू अशोक नगर में 20 कारों में भीषण आग

पूर्वी दिल्ली। न्यू अशोक नगर थाना क्षेत्र के एक रिहायशी परिवार के घर में खड़ी 20 कारों में आग लग गई।

दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। थाने से चंद कदमों की दूरी पर ही पेट्रोलपंप बना हुआ है। आग का धुंआ काफी दूर से आसमान में नजर आ रहा था। ओवरहेड पानी के टैंक के पानी का भी इस्तेमाल किया गया।

रेप करने के आरोप में बीटेक का छात्र गिरफ्तार

नई दिल्ली। हैदराबाद में हैरानी वाला मामला सामने आया है। एक बीटेक के छात्र को क्लासमेट को जबरदस्ती शराब पिलाकर उसका कथित तौर पर रेप करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। घटना 14 मई की रात को हुई थी। इब्राहिमपटनम पुलिस स्टेशन में शिकायत पर 15 मई को मामला दर्ज किया गया है।

शुभेंदु पीए हत्या के मामले में एक और गिरफ्तार

नई दिल्ली। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रकांत रथ की हत्या के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जांच एजेंसी ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के निवासी विनय राय को वाराणसी से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि विनय को कोलकाता की अदालत में पेश किया जाएगा।

ट्रंप के हाथ में है मोदी का 'रिमोट कंट्रोल' : राहुल

रायबरेली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए मंगलवार को दावा किया कि मोदी का 'रिमोट कंट्रोल' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास है।

रायबरेली और अमेठी के अपने दो दिवसीय दौरे के पहले दिन गांधी ने प्रधानमंत्री पर तंज करते हुए कहा कि मोदी देश के किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों से इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने को कहते हैं जबकि लोगों को नौकरी और खाना तक भी नहीं मिल पा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, लंबित मामलों का होगा निपटारा

सात न्यायाधीशों की कई पीठों का गठन जल्द होगा: सीजेआई

कानूनी सवालों को सुलझाने की दिशा में बड़ा कदम होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की शीर्ष अदालत में लंबे समय से लंबित पड़े बड़े संवैधानिक और कानूनी सवालों को सुलझाने की दिशा में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने एक बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को उन्होंने घोषणा की कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित पड़े पुराने कानूनी संदर्भों के त्वरित निपटारे के लिए वे जल्द ही सात न्यायाधीशों की कई विशेष पीठों का गठन करने जा रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश की इस घोषणा को न्यायपालिका के प्रशासनिक सुधारों और लंबित मामलों के बोझ को कम करने की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण और लंबित मामलों के बोझ को कम करने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण और बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

खत्म होगा संवैधानिक मामलों का इंतजार

सात न्यायाधीशों की इन नई पीठों के गठन का रास्ता हाल ही में पूरी हुई दो बड़ी सुनवाइयों के बाद साफ हुआ है। इस साल की शुरुआत में, सुप्रीम कोर्ट ने नौ जजों की पीठ के सामने चल रहे दो अत्यंत महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई को सफलतापूर्वक पूरा किया था।

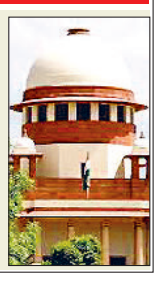

सीजेआई ने सुनवाई टालते हुए दिया संकेत

मंगलवार को एक निर्धारित मामले की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस सुनवाई को स्थगित करते हुए उन्होंने इन बड़ी पीठों के गठन में लगने वाले समय और प्रशासनिक व्यस्तताओं का भी जिक्र किया। अदालती कार्यवाही के दौरान टिप्पणी करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि मैं बहुत जल्द सात जजों की बेंचों का गठन करने जा रहा हूं, और इस वजह से मुझे वर्तमान मामले को सुनने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाएगा। इन दोनों बड़ी नौ-सदस्यीय पीठों की सुनवाइयां पूरी होने के बाद, अब चीफ जस्टिस का पूरा ध्यान सात जजों की पीठों को व्यवस्थित करने पर है।

निश्चित तारीख नहीं

हालांकि, इन आगामी पीठों के लिए किसी निश्चित तारीख या मामलों की सूची की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन मुख्य न्यायाधीशकी टिप्पणियों से साफ है कि इस दिशा में काम काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

यूपी-बिहार नहीं, यहां नहीं चलेगा बुलडोजर कल्चर

नई दिल्ली। बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच ने सोमवार को छत्रपति संभाजीनगर नगर निगम की आलोचना करते हुए कड़ी मौखिक टिप्पणियां कीं। बेंच ने कहा कि निगम ने एआईएमआईएम पार्षद मतीन पटेल और निवासी हनीफ खान से जुड़ी संपत्तियों को मनमाने ढंग से और सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए गिरा दिया। जस्टिस सिद्धेश्वर थोंब्रे की अध्यक्षता वाली एक डिवीजन बेंच ने, पटेल और खान की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बातें कही।

बेंच ने आगे टिप्पणी की घर बनाना कोई आसान काम नहीं है। हर कोई आपकी और मेरी तरह घर बनाने का खर्च नहीं उठा सकता। महाराष्ट्र में बुलडोजर संस्कृति को घुसने न दें। यह उत्तर प्रदेश या बिहार नहीं है।वहीं, इस मामले की अगली सुनवाई 15 जून को तय की गई है।

घर तोड़ने से पहले नोटिस नहीं दिया

कोर्ट ने पाया कि अनिवार्य सुरक्षा उपायों, जिसमें सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 15 दिन की नोटिस अवधि भी शामिल है। उसका पालन नहीं किया गया। कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि क्या छत्रपति संभाजीनगर नगर निगम (ने पूरी इमारत को गिराने से पहले उनके विशिष्ट अवैध हिस्सों की पहचान की थी। कोर्ट ने टिप्पणी की, अधिकारियों को यह बारीकी से देखना चाहिए था कि घर का कौन सा हिस्सा या भाग अवैध था।

छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में बोले शाह

भय-बंदूक से नक्सलमुक्त हो गया बस्तर, लोगों में उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर में आयोजित केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद (सीजेडसी) की 26वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि देश को नक्सलवाद से मुक्त करने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हो चुकी है, लेकिन अब असली चुनौती इन क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर में इस बैठक का आयोजन होना अपने आप में प्रतीकात्मक है, क्योंकि कभी नक्सल हिंसा से प्रभावित यह इलाका अब शांति और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को नक्सलमुक्त बनाने का पूरा श्रेय सुरक्षा बलों के जवानों की बहादुरी, केंद्रीय एजेंसियों की सटीक रणनीति और राज्यों तथा केंद्र के बीच बेहतर समन्वय को जाता है।

बोले-हर आदिवासी को एक गाय और भैंस देंगे

शाह ने मध्यक्षेत्रीय परिषद की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। शाह कहा कि बस्तर के हर आदिवासी को एक गाय और एक भैंस देंगे। विकास न होने की वजह से नक्सलवाद नहीं था।

'कुपोषण' के खिलाफ 'जंग' का ऐलान

गृह मंत्री ने कहा कि कुपोषण, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण बेहद संवेदनशील विषय हैं और सभी राज्यों को मिलकर इस दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। राज्यों से जल जीवन मिशन-2 के तहत हर घर तक नल से जल पहुंचाने की दिशा में तेजी से काम करने का आह्वान किया।

आरोपी ने कनाडा से आकर की वारदात

पंजाबी महिला सिंगर को गनपॉइंट पर किडनैप करने के बाद की हत्या

एजेंसी ▶▶ लुधियाना

पंजाब के लुधियाना में पंजाबी सिंगर इंदर कौर उर्फ यशइंदर कौर (29) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह 11 बजे उनका शव नीलो नहर में मिला।

इंदर को 6 दिन पहले गन गनपॉइंट पर किडनैप किया गया था, जिसके बाद से परिवार लगातार उनकी तलाश में जुटा हुआ था। परिवार का कहना है कि मोगा का रहने वाला युवक युवती पर जबरन शादी का दबाव बना रहा था। इनकार करने पर वह कनाडा से नेपाल के रास्ते पंजाब आया और इंदर का किडनैप कर लिया। इसके बाद उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी नेपाल के रास्ते ही वापस कनाडा भाग गया। भाई ने बताया दोनों की 5 साल पहले इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। लेकिन जैसे ही इंदर को पता चला कि आरोपी शादीशुदा है और उसके बच्चे हैं, तो उसने शादी करने से मना कर दिया था। इसी से आरोपी नाराज था। पुलिस ने इंदर के शव को नहर से बाहर निकलवा कर पोस्टमॉर्टम के लिए समराला के सिविल अस्पताल में भेज दिया है।

- 6 दिन बाद नहर से मिली लाश
- मोगा का रहने वाला युवक इंदर पर शादी का दबाव बना रहा था

तेलंगाना में सड़क पर युवती का गला रेता

महबूबनगर। तेलंगाना के महबूबनगर जिले के जडचेरला कस्बे में 21 वर्षीय युवती की कथित तौर पर हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी युवक काफी समय से युवती को प्रेम संबंध के नाम पर परेशान कर रहा था। मृतका की पहचान वाई वैष्णवी के रूप में हुई है। वह जडचेरला के एक निजी स्कूल में रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करती थी। पुलिस के अनुसार, युवती ने आरोपी के प्रेम प्रस्ताव को ठुकरा दिया था, जिसके बाद वह लगातार उसका पीछा कर रहा था और परेशान कर रहा था। वैष्णवी बस से उतरकर पैदल जा रही थी। इसी दौरान आरोपी ने सार्वजनिक जगह पर उस पर चाकू से हमला कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी ने युवती का गला रेत दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत वैष्णवी को पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया। हालांकि, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मां ने पानी में डुबोकर बेटी को मार डाला

दूसरी शादी में रोड़ा बन रही थी 6 साल की मासूम

नई दिल्ली। तेलंगाना के मेडचल-मलकाजगिरि जिले में मां ने बेटी को पानी की टंकी में डुबोकर मार दिया। पुलिस जांच में पता चला है कि महिला ने दूसरी शादी करने के लिए छह साल की बेटी को मार डाला। रेखा की शादी हुई और उसने एक बच्ची को जन्म दिया था। बच्चे के 21 दिन के होने के बाद जो समारोह हुआ, उसके बाद रेखा और उसके पति के बीच विवाद हुआ और दोनों का तलाक हो गया। तब से रेखा अपनी बेटी के साथ अलग रह रही थी। बाद में, उसका दूसरे आदमी से संबंध बना और उन्होंने शादी करने का फैसला किया। बच्चे की मौजूदगी के कारण उसके माता-पिता ने शादी का विरोध किया। इसके बाद, रेखा और उसके प्रेमी ने बच्ची को मारने की योजना बनाई। महिला ने 16 मई की रात को छह साल की बेटी को प्लास्टिक की पानी की टंकी में फेंक दिया।

पंजाबः ट्रक में घुसी कार, 4 दोस्तों की मौत, दो लाशें ड्राइविंग सीट पर फंसी

- पठानकोट-अमृतसर नेशनल हाईवे पर भीषण हादसा हुआ
- कटर से काटकर निकालीं गई लाशें खड़े ट्रक में घुस गई थी आल्टो

एजेंसी ▶▶ गुरदासपुर (पंजाब)

गुरदासपुर में मंगलवार सुबह करीब 4 बजे पठानकोट-अमृतसर नेशनल हाईवे पर भीषण हादसा हुआ। नेशनल हाईवे पर ऑल्टो कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। इससे कार सवार 4 दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। 2 की लाशें ड्राइवर सीट पर फंस गईं। लोगों के अनुसार हादसे के दौरान जोरदार धमाका हुआ।

इसके बाद सुबह पुलिस को बुलाया गया, फिर लाशों को बाहर निकालने के लिए कार की बॉडी को कटर से काटा गया। शवों को निकालने में करीब डेढ़ घंटे का समय लग गया।

सभी एक दूसरे से चिपके हुए मिले। पुलिस जांच के अनुसार, तीन युवक हिमाचल प्रदेश के एक निजी नशा मुक्ति केंद्र से रात को ही फरार हुए थे। केंद्र से भागने के बाद उन्होंने पठानकोट में रहने वाले चौथे दोस्त को कार समेत साथ लिया, जिसके बाद तड़के करीब 4 बजे यह हादसा हो गया। पुलिस अब उस ट्रक को ट्रेस करने में जुटी है, जिसके पीछे यह कार टकराई थी।

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT & ENTREPRENEURSHIP
GOVERNMENT OF INDIA
Directorate General of Training

प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (ToT) हेतु आमंत्रण
पीएम-सेतु योजना के अंतर्गत

कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (MSDE) के अंतर्गत प्रशिक्षण महानिदेशालय (DGT) द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास एवं रोजगार क्षमता उन्नयन आईटीआई (PM-SETU) का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य देश में व्यावसायिक प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं प्रासंगिकता को सुदृढ़ एवं उन्नत बनाना है।

इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु प्रतिष्ठित उद्योगों/संस्थानों को आईटीआई/एनएसटीआई प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (ToT) कार्यक्रम संचालित करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

प्रशिक्षण की श्रेणियां
शिक्षण पद्धति प्रशिक्षण
प्रशिक्षण प्रदान करने की दक्षता एवं कक्षा प्रबंधन को सुदृढ़ करना।
नेतृत्व विकास प्रशिक्षण
प्रशिक्षण प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता एवं संस्थागत प्रभावशीलता को बढ़ावा देना।
क्रय, अनुबंध प्रबंधन एवं पीपीपी प्रशिक्षण
क्रय मानकों, बजट प्रबंधन, विक्रेता प्रबंधन एवं पीपीपी ढांचे से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करना।
डोमेन-विशिष्ट तकनीकी प्रशिक्षण
उद्योग मानकों के अनुरूप उन्नत तकनीकी कौशल विकसित करना।

इंडस्ट्री पार्टनर द्वारा 50% या उससे ज़्यादा कॉस्ट शेयरिंग को प्राथमिकता दी जाएगी
CSR के अंतर्गत पात्र औद्योगिक योगदान

कृपया अपनी सहमति/रुचि निम्नलिखित विवरणों सहित साझा करें:
- प्रस्तावित प्रशिक्षण श्रेणी/श्रेणियां
- वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु प्रशिक्षण योजना एवं प्रशिक्षण क्षमता का संक्षिप्त विवरण (बैच आकार सहित)
- वित्तीय प्रस्ताव (उपरोक्त विवरणों के अनुसार, शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक व्ययों सहित उद्योग योगदान का विवरण)

To Download Proposal Format Scan Here
CBC 63101/13/0001/2627

Send your proposal at schemes.section@dgt.gov.in

चिंतन

आम लोगों की जान की सुरक्षा सर्वोपरि

देश में आवारा कुत्तों का मुद्दा अब आम लोगों की सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और नागरिकों के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला, जिसमें रेबीज से संक्रमित और बेहद खतरनाक आवारा कुत्तों को जरूरत पड़ने पर यूथेनेशिया यानी दया मृत्यु (जहर का इंजेक्शन) देने की अनुमति दी गई है, एक कठोर लेकिन आवश्यक कदम माना जाना चाहिए। यह फैसला उन लोगों को कठोर लग सकता है जो पशु अधिकारों की पैरवी करते हैं, लेकिन अदालत ने साफ कर दिया है कि देश में इंसानों की जान की सुरक्षा सर्वोपरि है। लावारिस कुत्ते लगातार बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को निशाना बनाते रहे हैं। इनके लिए शेल्टर होम बनाने और नसबंदी का जिम्मा राज्य सरकारों पर है, लेकिन राज्यों में जिस तरह के हालात हैं, उसमें यह कार्य उस तरह से नहीं हो पा रहा, इसलिए सुप्रीम कोर्ट को कड़ा फैसला लेना पड़ा। लावारिस कुत्ते खतरनाक भले ही न हों, लेकिन कई प्रकार से लोगों को नुकसान जरूर पहुंचाते हैं। कई बार दो पहिया वाहन चालक इनके कारण हादसों का शिकार हो जाते हैं। कुत्तों से डरने वाले लोग भी इन्हें देखकर हड़बड़ा जाते हैं और हादसों का शिकार हो बैठते हैं। कुत्तों के काटने की खबरें भी आम हैं। बीते कुछ वर्षों में देश के लगभग हर बड़े शहर और कस्बे में आवारा कुत्तों की समस्या विकराल होती गई है। कई मामलों में छोटे बच्चों के चेहरे तक बुरी तरह नोच दिए गए। तमिलनाडु में केवल चार महीनों में करीब दो लाख डॉग बाइट के मामले सामने आना यह बताने के लिए काफी है कि स्थिति कितनी गंभीर हो चुकी है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक महीने में 1084 लोगों को कुत्तों ने काटा। दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी ऐसी घटनाएं आम हैं। यह केवल आंकड़े नहीं, बल्कि प्रशासनिक विफलता की भयावह तस्वीर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बिल्कुल सही कहा कि गरिमा के साथ जीने के अधिकार में यह भी शामिल है कि लोग सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक स्थानों पर बिना भय के चल-फिर सकें। यदि कोई बच्चा स्कूल जाते समय आवारा कुत्तों के झुंड से डरता है या कोई बुजुर्ग सुबह की सैर पर निकलने से घबराता है, तो यह सीधे-सीधे नागरिक अधिकारों का उल्लंघन है। असल सवाल यह है कि वर्षों से चल रही नसबंदी और टीकाकरण योजनाएं आखिर प्रभावी क्यों नहीं हो सकीं। राज्य सरकारें और नगर निगम अक्सर बजट, संसाधनों और कर्मचारियों की कमी का बहाना बनाते रहे हैं। नतीजा यह हुआ कि आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ती गई। कई शहरों में एबीसी सेंटर यानी एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर नाम मात्र के रह गए। कोर्ट ने अब हर जिले में प्रभावी एबीसी सेंटर बनाने और जरूरत के अनुसार उनकी संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। हालांकि इस पूरे विवाद में पशु प्रेमियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। सड़क किनारे कुत्तों को खाना खिलाना मानवता हो सकती है, लेकिन यदि वही कुत्ते बाद में राहगीरों पर हमला करें तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? अदालत ने सार्वजनिक स्थानों पर फीडिंग पर रोक लगाकर यह स्पष्ट कर दिया कि संवेदनशीलता और जिम्मेदारी साथ-साथ चलनी चाहिए। यदि कोई व्यक्ति इन जानवरों के प्रति इतना ही समर्पित है, तो उन्हें अपने संरक्षण में रखने की व्यवस्था भी करनी चाहिए। अब यह सवाल उन पशु प्रेमियों के लिए है कि वे इन बेजुबान जानवरों के लिए क्या कर सकते हैं। अब ऐसे जानवरों को बचाने वाले पशु प्रेमी या तो इन्हें अपने पास रखें या फिर प्रशासन ऐसे खतरनाक कुत्तों को जहर के इंजेक्शन दे सकता है।

इंडो-भूमध्य रणनीतिक साझेदारी

इटली और भारत
नरेंद्र मोदी, जॉर्जिया मेलोनी

भारत और इटली के संबंध अब एक निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तेजी से विस्तार हुआ है। यह संबंध केवल सौहार्दपूर्ण मित्रता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अब स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों तथा भविष्य के साझा दृष्टिकोण पर आधारित एक विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं। ऐसे समय में, जब पूरी दुनिया की व्यवस्था बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, इटली और भारत की साझेदारी उच्च राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद से आगे बढ़ रही है। यह संबंध अब एक नए और अधिक व्यापक स्तर पर पहुंच रहा है, जिसमें दोनों देशों की आर्थिक ताकत, सामाजिक रचनात्मकता और हजारों वर्षों पुरानी सभ्यतागत विरासत शामिल है।

भारत और इटली के संबंध अब एक निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तेजी से विस्तार हुआ है। यह संबंध केवल सौहार्दपूर्ण मित्रता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अब स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों तथा भविष्य के साझा दृष्टिकोण पर आधारित एक विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं। ऐसे समय में, जब पूरी दुनिया की व्यवस्था बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, इटली और भारत की साझेदारी उच्च राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद से आगे बढ़ रही है। यह संबंध अब एक नए और अधिक व्यापक स्तर पर पहुंच रहा है, जिसमें दोनों देशों की आर्थिक ताकत, सामाजिक रचनात्मकता और हजारों वर्षों पुरानी सभ्यतागत विरासत शामिल है। हमारा सहयोग इस साझा समझ को दर्शाता है कि 21वीं सदी में समृद्धि और सुरक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि देश कितनी क्षमता से नवाचार करें, ऊर्जा परिवर्तन का प्रबंधन करें और अपनी रणनीतिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करें।

इसी उद्देश्य से हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा तथा विविध बनाने का संकल्प लिया है, ताकि नए लक्ष्यों को हासिल किया जा सके और दोनों देशों की पूरक शक्तियों का बेहतर उपयोग हो सके। हम इटली की डिजाइन क्षमता, बेहतरीन विनिर्माण कौशल और विश्वस्तरीय सुपरकंप्यूटर तकनीक, जो उसे एक औद्योगिक महाशक्ति बनाती है, को भारत की तेज़ आर्थिक वृद्धि, इंजीनियरिंग प्रतिभा, बड़े पैमाने की क्षमता, नवाचार और 100 से अधिक यूनिकॉर्न तथा 2 लाख स्टार्ट-अप वाले उद्यमी इकोसिस्टम के साथ जोड़कर एक शक्तिशाली तालमेल बनाना चाहते हैं। यह केवल दो व्यवस्थाओं का साधारण मेल नहीं है, बल्कि ऐसा साझा मूल्य निर्माण है जिसमें दोनों देशों की औद्योगिक ताकतें एक-दूसरे को और अधिक मजबूत बनाती हैं। यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों दिशाओं में व्यापार और निवेश बढ़ाने का रास्ता खोलता है। हमारा लक्ष्य 2029 तक भारत और इटली के बीच व्यापार को 20 अरब यूरो से आगे ले जाना है। इसमें रक्षा एवं एयरोस्पेस, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पुर्जे, रसायन, दवाइयां, वस्त्र, कृषि-खाद्य क्षेत्र और पर्यटन समेत कई क्षेत्रों पर विशेष ध्यान रहेगा। "मेड इन इटली" हमेशा से दुनिया भर में उत्कृष्टता का प्रतीक रहा है, और आज इसका स्वाभाविक तालमेल "मेक इन इंडिया' पहल के उच्च गुणवत्ता वाले लक्ष्यों के साथ दिखाई देता है। इसी संदर्भ में, भारत के लिए उत्पादन में इतालवी कंपनियों की बढ़ती रुचि और इटली में भारतीय उद्योगों की बढ़ती मौजूदगी-जो अब दोनों पक्षों से मिलाकर 1000 से अधिक हो चुकी है, एक सकारात्मक संकेत है। यह हमारी सप्लाई चेन के एकीकरण को और मजबूत करेगी। तकनीकी नवाचार हमारी साझेदारी का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। आने वाले दशकों में दुनिया एक बड़े तकनीकी बदलाव के दौर से गुजरेगी, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्वांटम कंप्यूटिंग, उन्नत विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में तेज प्रगति होगी। भारत का तेज़ी से बढ़ता नवाचार तंत्र और कुशल पेशेवरों की बड़ी संख्या, तथा इटली की उन्नत औद्योगिक क्षमता, इन क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग को

स्वाभाविक और रणनीतिक बनाती है। दोनों देशों के विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के बीच बढ़ती साझेदारी भी इसे मजबूती देगी। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) पहले से ही दुनिया के कई देशों, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों, के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आज हमारे समाज और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाल रही है। इटली और भारत लंबे समय से इस दिशा में सहयोग कर रहे हैं, ताकि एआई का विकास जिम्मेदार और मानव-केंद्रित हो। भारत और इटली एआई को समावेशी विकास का एक शक्तिशाली माध्यम भी मानते हैं, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों के लिए। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और आसान, बहुभाषी तकनीकों के जरिए एआई सामाजिक और डिजिटल खाइयों को कम कर सकता है, न कि उन्हें और बढ़ा सकता भारत के मानव विज़न-यानी तकनीक के केंद्र में मानव को रखने की सोच और इटली की मानव-केंद्रित "एल्गोर-एथिक्स" की अवधारणा, जो उसकी मानवतावादी परंपरा पर आधारित है, पर आगे बढ़ते हुए हमारी साझेदारी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम बने।हमारा दृष्टिकोण भारत की विशाल डिजिटल क्षमता को इटली की नैतिक और औद्योगिक विशेषज्ञता के साथ जोड़ता है, ताकि तकनीक मानव गरिमा की सेवा कर सके। सुरक्षित डिजिटल सहयोग, क्षमता निर्माण और मजबूत साइबर ढांचे से जुड़ी श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करके, हम एक ऐसा खुला, भरोसेमंद और समान डिजिटल वातावरण बनाना चाहते हैं, जिसमें हर देश एआई का उपयोग कर सके और उससे लाभ उठा सके। यही सोच इटली की जी7 अध्यक्षता और 2026 में नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के निष्कर्षों का मुख्य आधार है। एआई को इंसानों की ओर से इंसानों के लिए बनाई गई तकनीक मानने का अर्थ है यह स्पष्ट करना कि तकनीक न तो मनुष्य की जगह ले सकती है और न ही उसके मूल अधिकारों को कमजोर कर सकती है। इसका उपयोग जनमत को प्रभावित करने या लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप करने के लिए भी नहीं होना चाहिए। आज की तेजी से जुड़ी हुई दुनिया में स्वतंत्रता और मानव गरिमा की रक्षा का हमारा दृष्टिकोण इसी चुनौती पर आधारित है। हमारा सहयोग अंतरिक्ष क्षेत्र तक भी फैला हुआ है। अंतरिक्ष अनुसंधान और सैटेलाइट तकनीक में भारत की उल्लेखनीय प्रगति तथा इटली की एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता, संयुक्त परियोजनाओं और नई पीढ़ी की तकनीकों के विकास के लिए बड़े अवसर प्रदान करती है। राष्ट्रों की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा और स्थिरता बेहद आवश्यक हैं। हम अपनी साझा चुनौतियों का समाधान दोनों देशों के गहरे संबंधों और लंबे सांस्कृतिक जुड़ाव के आधार पर कर सकते हैं। भारतीय संस्कृति में 'धर्म' का विचार उस जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है, जो हमारे कार्यों का मार्गदर्शन करना चाहिए। वहीं 'वसुधैव कुटुंबकम्' अर्थात "पूरी दुनिया एक परिवार है" का सिद्धांत आज के आपस में जुड़े डिजिटल युग में और भी अधिक प्रासंगिक लगता है। ये मूल्य इटली की मानवतावादी परंपरा से भी मेल खाते हैं, जिसकी जड़ें पुनर्जागरण काल में हैं। यह परंपरा हर व्यक्ति की गरिमा और संस्कृति की उस शक्ति पर जोर देती है, जो समाजों और लोगों को एकजुट कर सकती है। इसलिए हमारी साझा दृष्टि का उद्देश्य लोगों को केंद्र में रखते हुए भारत-इटली साझेदारी को मजबूत, आधुनिक और भविष्य उन्मुख आधार प्रदान करना है।

(लेखक नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं और जॉर्जिया मेलोनी इटली गणराज्य मंत्रिपरिषद की अध्यक्ष हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

समस्या
मनोज कुमार अग्रवाल

ग्लोबल वार्मिंग से बिगड़ते हालात : कब जागेगा इंसान

वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि धरती पर रहने वाला प्रत्येक जीव यहां तक कि वनस्पति भी त्रस्त है। ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए दुनियाभर में प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन समस्या कम होने के बजाय साल-दर-साल बढ़ती ही जा रही है। चूंकि यह एक शुरुआत भर है, इसलिए अगर हम अभी से नहीं संभले तो भविष्य और भी भयावह हो सकता है। वैज्ञानिक अनुसंधान की रिपोर्ट बताते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग धरती के वातावरण के तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी है। हमारी धरती प्राकृतिक तौर पर सूर्य की किरणों से उष्मा प्राप्त करती है। ये किरणें वायुमंडल से गुजरती हुई धरती की सतह से टकराती हैं और फिर वहीं से परावर्तित होकर पुनः लौट जाती हैं। धरती का वायुमंडल कई गैसों से मिलकर बना है जिनमें कुछ ग्रीनहाउस गैसें भी शामिल हैं। इससे धरती के ऊपर एक प्रकार से एक प्राकृतिक आवरण बना लेती हैं। यह आवरण लौटती किरणों के एक हिस्से को रोक लेता है और इस प्रकार धरती के वातावरण को गर्म बनाए रखता है। गौरतलब है कि मनुष्यों, प्राणियों और पौधों के जीवित रहने के लिए कम से कम 16 डिग्री सेल्सियस तापमान आवश्यक होता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्रीनहाउस गैसों में बढ़ोतरी होने पर यह आवरण और भी सघन होता जाता है। ऐसे में यह आवरण सूर्य की अधिक किरणों को रोकने लगता है और फिर यहीं से ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव शुरू हो जाता है। ग्लोबल वार्मिंग के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार तो मनुष्य और उसकी गतिविधियां ही हैं। मनुष्य जनित मानव निर्मित इन गतिविधियों से कार्बन डाइऑक्साइड, मिथेन, नाइट्रोजन ऑक्साइड इत्यादि ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है जिससे इन गैसों का आवरण सघन होता जा रहा है। यही आवरण सूर्य की परावर्तित किरणों को रोक रहा है, जिससे धरती के तापमान में वृद्धि हो रही है। वाहनों, हवाई जहाजों, बिजली बनाने वाले संयंत्रों उद्योगों इत्यादि से अंधाधुंध होने वाले गैसीय उत्सर्जन की वजह से कार्बन डायआक्साइड में बढ़ोतरी हो रही है। जंगलों का बड़ी संख्या में हो रहा विनाश इसकी दूसरी वजह है। जंगल कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित करते हैं, लेकिन जंगलों की बेतहाशा कटाई से यह प्राकृतिक नियंत्रक भी हमारे हाथ से छूटता जा रहा है। इसकी एक अन्य वजह सीएफसी है जो रेफ्रीजरेटर्स, अग्निशामक दमकल यंत्रों इत्यादि में इस्तेमाल की जाती है। यह धरती के ऊपर बने एक प्राकृतिक आवरण ओजोन परत को नष्ट करने का काम करती है। ओजोन परत सूर्य से निकलने वाली घातक पराबैंगनी किरणों को धरती पर आने से रोकती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस ओजोन परत में एक बड़ा छिद्र हो चुका है जिससे पराबैंगनी किरणें सीधे धरती पर पहुंच रही हैं और इस तरह से उसे लगातार गर्म बना रही हैं। आशंका यही जताई जा रही है कि आने वाले समय में ग्लोबल वार्मिंग में और बढ़ोतरी ही होगी। ग्लोबल वार्मिंग को लेकर कई दशकों से वैज्ञानिक चिंता जाहिर कर रहे थे, लेकिन सरकार और आम जनता दोनों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। इस साल मार्च से ही भीषण गर्मी शुरू हो गई थी। अब तो भारत के ही कई शहरों में पारा 50 डिग्री के आसपास है। माना जा रहा है कि गर्मी बढ़ने के साथ ही पशु-पक्षी और वनस्पतियां धीरे-धीरे उत्तरी और पहाड़ी इलाकों की ओर प्रस्थान करेंगे, लेकिन इस प्रक्रिया में कुछ अपना अस्तित्व ही खो देंगे।इस बीच एक और चिंताजनक खबर सामने आई है। इसमें कोई शक नहीं है कि गर्मी बढ़ने से ठंड भगाने के लिए इस्तेमाल में लाई जाने वाली ऊर्जा की खपत में कमी होगी, लेकिन इसकी पूर्ति एयर कंडिशनिंग में हो जाएगी। घरों को ठंडा करने के लिए भारी मात्रा में बिजली का इस्तेमाल करना होगा। बिजली का उपयोग बढ़ेगा तो उससे भी ग्लोबल वार्मिंग में इजाफा ही होगा। ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से निपटा जा सकता है। बशर्ते इसके लिए हमें कई प्रयास करने होंगे। इसके तहत हानिकारक गैसों के उत्सर्जन को कम करना होगा। सोलर सिस्टम भी वातावरण को उष्मा दे रहे हैं। अनुसंधान बता रहे हैं कि जिन शहरों में सोलर सिस्टम अधिक हैं, वहां का तापमान तुलनात्मक एक से दो सेल्सियस बढ़ जाता है। यह जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। हम सभी भी पेट्रोल, डीजल और बिजली का उपयोग कम करके हानिकारक गैसों को कम कर सकते हैं। जंगलों की कटाई को रोकना होगा। हम सभी अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। इससे भी ग्लोबल वार्मिंग के असर को किया जा सकता है। तकनीक का विकास कर हमें ऐसे रेफ्रीजरेटर्स बनाने होंगे जो सीएफसी का उपयोग न करें। अब भी नहीं जागे तो बहुत देर हो जाएगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है

संकलित
दर्शन

भगवान श्रीराम हर पल आत्मस्थिति में रहे। वे तनिक भी असंयमित नहीं हुए। असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है। जब हम किसी से प्रतिस्पर्धा का भाव रखते हैं, तब उस व्यक्ति के गुण और उसके कार्यों को हम किसी और ढंग से देखते हैं। उसी व्यक्ति से जब हमारा राग होता है, तो हम उसके हर कार्य में श्रेष्ठता ही देखते हैं। द्वेष होने पर हम न्यूनता और दोषों को ही खोजते हैं। आसक्ति होने पर उसके प्रति हम अपना सर्वस्व न्योछावर करने में भी तनिक संकोच नहीं करते हैं। हमारी यह इंद्रधनुषीय दृष्टि और वृत्ति जब किसी पद और अधिकार प्राप्त व्यक्ति के साथ जुड़ जाती हैं, तब वह व्यक्ति विकार को और भी विकृत कर उसे व्यापक बना देता है, तब उस मनःस्थिति में निर्णय देने, सामाजिक व्यवहार करने में वह अपने अधिकारों का दुरुपयोग करता हुआ स्वयं और समाज को गर्त में डाल देता है। श्रीरामचरितमानस में गुरु वशिष्ठ ने श्रीभरत के अंदर तब इस त्रिपुटी की प्रधानता स्वीकारी, जब श्रीभरत भगवान की पादुकाओं को अपने सिर पर लेकर आए और गुरुदेव वशिष्ठ से पूछा कि यदि आपका मंगलाशासन हो तो मैं पादुका रूप प्रभु को नंदीग्राम जाकर सिंहासनासीन कर वहीं से राज्य का कार्य संभाल लूंगा? तब गुरुदेव ने मानो भरत से यही कहा कि समुझव (समझ) के रूप में तुम्हारे अंदर विधायिका के गुण हैं, कहब (कथन) के रूप में न्यायपालिका के गुण हैं और करब (करनी) के रूप में कार्यपालिका के गुण हैं। भरत ऐसे भक्त हैं, जिन्होंने अपनी समझ, कथन, और करनी का योग भगवान के चरणों में अर्पित कर दिया।

समस्याएं आती-जाती रहेंगी, रुकना नहीं चाहिए

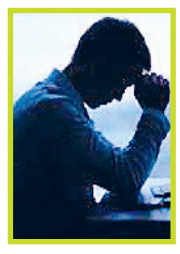

संकलित
प्रेरणा

एक व्यक्ति बहुत दुखी था। उसके पिता की मृत्यु हो चुकी थी, पूरे घर की जिम्मेदारी उस पर आ गई थी। बहुत मेहनत करने के बाद भी उसकी समस्याएं खत्म नहीं हो रही थीं। वह निराश रहने लगा था। एक दिन उस व्यक्ति को एक विद्वान संत मिले। व्यक्ति ने संत से कहा कि मैं बहुत परेशान हो गया हूं। मुझे अपना शिष्य बना लीजिए।संत ने कहा कि ठीक है, तुम शिष्य बन जाना, लेकिन पहले अपनी परेशानी बताओ। शिष्य ने कहा कि गुरु जी मेरे जीवन में एक समस्या खत्म नहीं होती है और उससे पहले ही दूसरी सामने आ जाती है। इस कारण मैं बहुत दुखी हूं। किसी भी काम में सफलता नहीं मिल पाती है, घर की भी समस्याएं बनी रहती हैं। गुरु ने कहा कि तुम मेरे साथ चलो। वह व्यक्ति संत के साथ चल दिया। कुछ देर में संत और शिष्य पास की नदी के किनारे पहुंच गए। किनारे पर पहुंचकर गुरु ने कहा कि हमें ये नदी पार करनी है। इतना कहकर संत किनारे पर ही खड़े हो गए। शिष्य भी गुरु के साथ खड़ा रहा। कुछ देर बाद शिष्य ने कहा कि हमें नदी पार करनी है तो हम यहां क्यों खड़े हैं? गुरु ने कहा कि हम इस नदी के सूखने का इंतजार कर रहे हैं, जब ये सूख जाएगी, हम इसे आसानी से पार कर लेंगे। ये बात सुनकर शिष्य बहुत हैरान हो गया। वह बोला कि गुरु जी ये कैसी बात कर रहे हैं? नदी का पानी कैसे और कब सूखेगा। हमें नदी को इसी समय पार करनी होगी। संत ने कहा कि मैं तुम्हें यही बात समझाना चाहता हूं। जीवन में भी समस्याएं आती-जाती रहेंगी। हमें सकारात्मक रहना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

मजबूत पंचायत, विकसित गांव

भारत को गांवों का देश कहा जाता है। आज भी देश की एक बड़ी आबादी गांवों में निवास करती है और गांवों का विकास ही देश के समग्र विकास की पहचान माना जाता है। जब गांव मजबूत होंगे, तभी भारत आत्मनिर्भर और सशक्त बनेगा। गांवों के विकास की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी पंचायती राज व्यवस्था है। पंचायत केवल एक प्रशासनिक संस्था नहीं, बल्कि लोकतंत्र की वह मजबूत नींव है, जिसके सहारे गांव की समस्याओं का समाधान, विकास योजनाओं का संचालन और जनता की आवाज़ को शासन तक पहुंचाने का कार्य किया जाता है। इसलिए कहा जाता है कि 'मजबूत पंचायत, विकसित गांव-हर वोट है देश की शान।' यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। इसलिए मतदान बहुत जरूरी है। *- धर्मपाल छिकारा, बरोदा*

ट्रेंड

दिवंगत आत्मा को नमन

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता भुवन चंद्र खंडूरी का निधन उत्तराखंड और भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को अपने पवित्र चरणों में स्थान दें।
-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

भयंकर आर्थिक तूफान

हमारे सिर पर एक भयंकर आर्थिक तूफान मंडरा रहा है। 12 वर्षों में, मोदी जी ने जो ढांचा खड़ा किया, वह केवल अडानी और अंबानी के लिए था। और अब, वही ढांचा ढहने वाला है। इसका असर युवाओं, गरीबों, मध्यम वर्ग, किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों पर ही पड़ेगा।
-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

सहयोग शिविर

प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को सभी पंचायतों में 'सहयोग शिविर' आयोजित किए जाएंगे, जहां लोग अपनी समस्याओं का त्वरित समाधान पा सकेंगे। जनसेवा, समस्याओं का समाधान और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता प्राथमिकताएं हैं।
- सम्राट चौधरी, सीएम, बिहार

गंभीरता से जांच हो

उत्तर प्रदेश की बेटी और मध्य प्रदेश के भोपाल में दहेज हत्या का मामला, इस घटना की गंभीरता से जांच होनी चाहिए और पीड़ित पक्ष को न्याय मिलना चाहिए। जब दोनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, तो कार्रवाई न करने का क्या कारण है?
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

चिनफिंग ने 'थ्यूसाइडिडेस ट्रैप' से ट्रंप को किया आगाह

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 15 मई को डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई शिखर वार्ता के दौरान ईसा-पूर्व पांचवीं शताब्दी के यूनानी इतिहासकार थ्यूसाइडिडेस का उल्लेख करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति को परोक्ष रूप से चेतावनी दी। शी ने अपने शुरुआती संबोधन में कहा, "दुनिया एक नए मोड़ पर आ खड़ी हुई है। क्या चीन और अमेरिका तथाकथित 'थ्यूसाइडिडेस ट्रैप' से ऊपर उठकर महाशक्तियों के संबंधों का नया प्रतिमान विकसित कर सकते हैं?" इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय राजनीति और कूटनीति में थ्यूसाइडिडेस का उल्लेख खूब हुआ है। जनवरी में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 'मेलियन डायलॉग' की प्रसिद्ध पंक्ति -शक्तिशाली वही करते हैं जो कर सकते हैं और कमजोर वही सहते हैं जो उन्हें सहना पड़ता है- का हवाला देते हुए नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के कमजोर पड़ने की चेतावनी दी थी। अन्य टिप्पणीकारों ने वेनेजुएला और ईरान में अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों का वर्णन करने के लिए भी इस उद्धरण का इस्तेमाल किया, कुछ ने समर्थन में और कुछ ने आलोचना के तौर पर। हालांकि, शी ने थ्यूसाइडिडेस के उस विश्लेषण की ओर ध्यान दिलाया, जिसमें उन्होंने एथेंस और स्पार्टा के बीच हुए पेलोपोनेसियन युद्ध का सबसे वास्तविक कारण बताया था।

ऑफ बीट

आम पकने के पहले ही क्यों गिर जाते हैं

ऑस्ट्रेलिया में हर मौसम में आम उत्पादकों को उस समय भारी नुकसान होता है, जब पेड़ों से बड़ी संख्या में फल पकने से पहले ही गिर जाते हैं। शोध में वैज्ञानिकों ने पाया है कि तनाव के दौरान पेड़ों में हार्मोनल असंतुलन और कार्बोहाइड्रेट की कमी पैदा हो जाती है। फल के विकास के लिए आवश्यक शर्करा की आपूर्ति बाधित होने पर पेड़ अपने अस्तित्व को प्राथमिकता देता है और फल गिर जाता है। शोधकर्ताओं ने इसे एक आणविक "क्विट सिग्नल" बताया है, जो पेड़ को फल का साथ छोड़ने का संदेश देता है। यह संकेत जीन गतिविधि और हार्मोनल संकेतों के जटिल नेटवर्क से जुड़ा है। इस प्रक्रिया को समझने के लिए वैज्ञानिक आम के डंठल (पेडिसल) के ऊतकों में जीन गतिविधियों का अध्ययन कर रहे हैं, जहां पेड़ और फल के बीच पोषक तत्वों और संकेतों का आदान-प्रदान होता है। फल झड़ने की समस्या के लिए शोध में पौध वृद्धि नियामकों (प्लांट ग्रोथ रेगुलेटर्स) के उपयोग को एक प्रभावी उपाय बताया गया है। ये हार्मोन के कृत्रिम रूप होते हैं, जो तनाव की स्थिति में पेड़ों में संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। परीक्षणों में पाया गया कि फूल आने के शुरुआती चरण में इनका प्रयोग अधिक प्रभावी रहा, जिससे पैदावार में 17 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	13	9	4	18
गुजरात	13	8	5	16
हैदराबाद	13	8	5	16
राजस्थान	13	7	6	14
पंजाब	13	6	6	13
चेन्नई	13	6	7	12
दिल्ली	13	6	7	12
कोलकाता	12	5	6	11
मुंबई	12	4	8	8
लखनऊ	13	4	9	8

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप

वैभव सूर्यवंशी — 579 रन — राजस्थान
भुवनेश्वर कुमार — 24 विकेट — बेंगलुरु

मलेशिया मास्टर्सः अष्मिता की एकल मुख्य ड्रॉ में एंट्री

कुआलालम्पुर। भारत की अष्मिता चालिहा ने चीनी ताइपै की पाइ यू पो को तीन गेम के मुकाबले में हराकर मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया। चालिहा ने यू पो पर 21-23, 21-16, 21-16 से जीत दर्ज की। अब उनका सामना दुनिया की 56वें नंबर की खिलाड़ी इंडोनेशिया की टी रामाधानी वीर्यावान से होगा।

आईपीएल: लखनऊ को 7 विकेट से रौंदा, जुरेल का अर्धशतक

सूर्यवंशी की 93 रन की पारी से एलएसजी को हरा रॉयल्स ने बढ़ाया प्लेऑफ की ओर कदम

भाषा ▶▶| जयपुर

वैभव सूर्यवंशी की 38 गेंदों में 93 रन की आक्रामक पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में मंगलवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को पांच गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर प्लेऑफ में जगह पक्की करने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा दिए। एलएसजी ने मिचेल मार्श की 96 रन की तेजतर्रार पारी की बदौलत पांच विकेट पर 220 रन बनाए, लेकिन सूर्यवंशी की पारी के सामने यह स्कोर भी बौना साबित हुआ। राजस्थान रॉयल्स ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 225 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अगर-मगर के बिना प्लेऑफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए राजस्थान रॉयल्स को आखिरी दो मैच जीतना जरूरी था और गेंदबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों ने टीम को आसान जीत दिला दी। रॉयल्स अब 13 मैचों में 14 अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया। एलएसजी पहले ही प्ले ऑफ की रेस से बाहर है। अपनी पारी की शुरुआती 10 गेंदों में सिर्फ पांच रन बनाने वाले सूर्यवंशी ने 38 गेंदों की पारी में सात चौके और 10 शानदार छक्के जड़े। उन्होंने कार्यवाहक कप्तान यशस्वी जायसवाल (43) के साथ पहले विकेट के लिए 39 गेंदों में 75 रन की साझेदारी की, जबकि ध्रुव जुरेल (नाबाद 53) के साथ 45 गेंदों में 105 रन जोड़े। जायसवाल ने 23 गेंदों की पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया, जबकि जुरेल ने 38 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाते हुए तीन चौके और तीन छक्के जड़े।

मार्श-इंग्लिस के बीच पहले विकेट के लिए 109 रन की साझेदारी

कठिन डगर में केकेआर समीकरण बिगाड़ने के लिए प्रतिबद्ध एमआई

कोलकाता। टूर्नामेंट की खराब शुरुआत के कारण अगर मगर की कठिन डगर में फंसी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम को अगर आईपीएल के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है तो उसे मुंबई इंडियंस के खिलाफ बुधवार को होने वाले मैच में किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़नी होगी। मुंबई इंडियंस की टीम प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है लेकिन वह केकेआर के समीकरण बिगाड़ने के लिए प्रतिबद्ध होगी। अगर इस मैच में केकेआर हार जाती है, तो अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में लगातार दूसरे सत्र में उसकी टीम प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रहेगी। मुंबई के खिलाफ जीत से भी केकेआर का काम पूरा नहीं होगा।

- **मुकाबला आज शाम 7.30 बजे से**

आईसीसी महिला रैंकिंग

फातिमा सना ने टी20 और लॉरेन ने वनडे में लगाई लंबी छलांग

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी की ताजा जारी महिला खिलाड़ियों की रैंकिंग में पाकिस्तान की कप्तान फातिम सना ने टी20 और इंग्लैंड की तेज लॉरेन बेल ने वनडे में लंबी छलांग लगाई है। पाकिस्तान और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच हाल ही में कराची में टी20 सीरीज खेली गई थी। पाकिस्तान ने इस सीरीज को 3-0 से जीता था।

इस सीरीज में फातिम का प्रदर्शन शानदार रहा था और इसका फायदा उन्हें टी20 रैंकिंग में हुआ है। आखिरी मैच में 62 रन की पारी खेल कर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने वाली फातिम सना 4 स्थान की छलांग लगाते हुए बल्लेबाजों की रैंकिंग में 23वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

वनडे रैंकिंग में टॉप पर स्मृति बरकरार

वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर भारत की स्मृति मंधाना, दूसरे पर दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी तीसरे स्थान पर हैं। वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की अलाना किंग पहले, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन दूसरे और ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर तीसरे स्थान पर हैं।

नेमार खेलेंगे चौथा विश्व कप ब्राजील टीम का हुआ ऐलान

एजेंसी ▶▶| रियो डी जनेरियो

स्टार स्ट्राइकर नेमार को उनकी फिटनेस को लेकर संदेह के बावजूद ब्राजील की विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। यह फुटबॉलर इस तरह से अपना चौथा विश्व कप खेलेगा। 34 वर्षीय नेमार के नाम पर ब्राजील की तरफ से सर्वाधिक 79 गोल करने का रिकॉर्ड है लेकिन वह अक्टूबर 2023 में बाएं एसीएल में चोट लगने के बाद से अपनी सर्वश्रेष्ठ फिटनेस हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने इस साल ब्राजील के अपने क्लब सैंटोस के लिए 8 मैच खेले हैं, जिनमें चार गोल किए।

विश्व कप में हमारे महत्वपूर्ण खिलाड़ी नेमार

ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा, 'नेमार ने अपनी फिटनेस में काफी सुधार किया है। वह इस विश्व कप में हमारे महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे। विश्व कप के पहले मैच से पूर्व उनकी फिटनेस में और सुधार होने की संभावना है।' कोच ने कहा कि उन्होंने अपनी टीम में कुछ स्थानों के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है, जिनमें नेमार भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'उन्हें इस तरह की बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने का अनुभव है। उनका अनुभव हमारे लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है।'

इंडियन प्रीमियर लीग

मुंबई इंडियंस को दोहरा झटका डिकॉक और राज बावा बाहर

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

मुंबई इंडियन्स के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर राज अंगद बावा चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग के बाकी बचे सत्र से बाहर हो गए। प्ले ऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी मुंबई इंडियन्स को अभी दो मैच और खेलने हैं। टीम बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स से जबकि रविवार को राजस्थान रॉयल्स से भिड़ेगी। डिकॉक के बाएं हाथ की कलाई में चोट लगी है। उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुंबई इंडियन्स के घरेलू मुकाबले से पहले यह चोट लगी थी। बावा को पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के पिछले मैच के दौरान दांए हाथ के अंगूठे में चोट लगी।

सुपर क्लासिक शतरंजः प्रज्ञाननंदा ने वेस्ली से बांटे अंक, खेला ड्रॉ

बुखारेस्ट। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने सुपर शतरंज क्लासिक के पांचवें दौर में अमेरिकी वेस्ली सो के साथ अंक बांटे और इस तरह से इस टूर्नामेंट में चौथी बाजी ड्रॉ खेली। यह प्रतियोगिता ग्रैंड शतरंज टूर्नामेंट का हिस्सा है, जिसके पांचवें दौर में किसी भी बाजी का हार या जीत के रूप में परिणाम नहीं निकला। इस तरह से जर्मनी के विन्सेंट कीमर ने अपनी आधे अंक की बढ़त बरकरार रखी। उनके 3.5 अंक हो गए हैं। कीमर के बाद प्रज्ञाननंदा तथा नीदरलैंड के अनीश गिरी और जॉर्डन वैन फोरेस्ट का नंबर आता है। इन तीनों खिलाड़ियों के तीन-तीन अंक हैं और वे संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और वेस्ली सो 2.5-2.5 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं, जबकि अमेरिका के फैबियानो कारुआना और विश्व चैंपियनशिप के दावेदार उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव समान दो अंकों के साथ उनसे पीछे हैं। रोमानिया के बोगदान-डेनियल डिएक 1.5 अंकों के साथ नौवें स्थान पर हैं। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा उनसे आधा अंक पीछे हैं।

अंकित व जयेश पाटिल पर नाडा ने लगाया तीन साल का डोपिंग प्रतिबंध

नई दिल्ली। सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) के अंकित और रेलवे के जयेश पाटिल पर राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। इन दोनों का परीक्षण प्रतिबंधित पदार्थ 'मेल्डोनियम' के लिए पॉजिटिव आया था। अंकित ने 69वीं राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल किया था जबकि पाटिल इसी स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहे थे। दोनों एथलीटों ने अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया जिसके चलते उनके प्रतिबंध की अवधि में एक साल की कटौती कर दी गई। यह प्रतिबंध अंकित के लिए 25 फरवरी से और पाटिल के लिए 27 फरवरी से लागू हो गया है। बीस वर्षीय पाटिल 2024 जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 3000 मीटर स्टीपलचेज के रजत पदक विजेता भी हैं। दोनों एथलीट का टेस्ट 'मेल्डोनियम' के लिए पॉजिटिव आया था। यह पदार्थ विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल है।

खबर संक्षेप

उमर खालिद को अंतरिम जमानत नहीं मिली

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगा साजिश मामले के आरोपी जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि राहत मांगने के लिए दिए गए आधार पर्याप्त नहीं हैं। एडिशनल सेशंस जज समीर बाजपेयी उमर खालिद की उस याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें उन्होंने 15 दिन की अंतरिम जमानत मांगी थी। खालिद ने कहा था कि उन्हें अपने चाचा के चेहलुम में शामिल होना है और मां की देखभाल करनी है, जिनकी सर्जरी होनी है।

स्पेन के पूर्व पीएम जपटैरो जांच के दायरे में

मैड्रिड। स्पेन की एक अदालत पूर्व पीएम जोस लुइस रोड्रिग्ज जपटैरो के खिलाफ सरकारी एयरलाइन को आर्थिक सहायता देने में पद के कथित दुरुपयोग और अन्य संभावित अपराधों की जांच कर रही है। मैड्रिड की राष्ट्रीय अदालत स्पेन सरकार की ओर से प्लस अल्ट्रा एयरलाइन को बचाने के संबंध में संभावित वित्तीय गड़बड़ी की जांच कर रही है, जिसे 2021 में सार्वजनिक धन से 5.3 करोड़ यूरो प्राप्त हुए थे।

पीएम मोदी तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में शामिल हुए, कहा

लोकतंत्र व कानून के सम्मान की दृष्टि से भारत-नॉर्डिक देशों की स्वाभाविक साझेदारी

पीएम मोदी डेनमार्क, आइसलैंड व फिनलैंड के पीएम से मिले

एजेंसी ▶▶ ओस्लो

पीएम नरेंद्र मोदी ने तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और कानून का सम्मान के नरजिए से भारत और नॉर्डिक देशों को स्वाभाविक साझेदार हैं। पीएम ने कहा कि भारत और नॉर्डिक देशों के बीच सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है और आने वाले समय में यह साझेदारी और आगे बढ़ेगी। इसमें खासकर टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, ग्रीन ट्रांजिशन, नवीकरणीय ऊर्जा, सस्टेनेबिलिटी, नीली अर्थव्यवस्था, रक्षा, अंतरिक्ष और आर्कटिक जैसे क्षेत्रों पर फोकस होगा। नॉर्डिक देशों में नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड और स्वीडन शामिल हैं। इससे पहले पीएम मोदी ने डेनमार्क की पीएम मेटे फ्रेडरिक्सन, फिनलैंड के पीएम पेट्टेरी ओर्पो और आइसलैंड की पीएम क्रिस्टुन म्योल फ्रॉस्टाडोटिर से भी मुलाकात की।

पीएम मोदी ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन से भारत और नॉर्डिक देशों के बीच रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी सहयोग को और मजबूत किया जाएगा। बता दें, पीएम मोदी इस समय पांच देशों के दौरे पर हैं। नॉर्वे उनका चौथा पड़ाव है। इससे पहले वह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड और स्वीडन का दौरा कर चुके हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन अप्रैल 2018 में स्टॉकहोम और मई 2022 में कोपेनहेगन में हुए पिछले दो शिखर सम्मेलनों की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए भारत-नॉर्डिक देशों के रिश्तों को और रणनीतिक बनाएगा।

नॉर्डिक देशों के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत हुए

भारत-नॉर्डिक के दौरान पीएम मोदी के साथ नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड और स्वीडन के नेता

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और नॉर्डिक देशों ने पिछले कुछ वर्षों में असाधारण प्रगति की है। व्यापारिक संबंध मजबूत हुए हैं और निवेश संबंध काफी गहरे हुए हैं। आज के भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन का एक सबसे महत्वपूर्ण परिणाम यह है कि हमने अपने संबंधों को हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह साझेदारी नवाचार को व्यापकता और प्रतिभा के साथ जोड़ेगी, साथ ही स्थिरता, विश्वसनीय प्रौद्योगिकियों और मानवता के बेहतर भविष्य के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाएगी।

डेनमार्क से द्विपक्षीय संबंध मजबूत करेगा भारत

पीएम मोदी ने बताया कि ओस्लो में डेनामार्क की पीएम मेटे फ्रेडरिक्सन के साथ एक सार्थक बैठक हुई। हाल के वर्षों में भारत और डेनमार्क के बीच मित्रता में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। जल संसाधन, स्वच्छ ऊर्जा, जहाजरानी और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार हुआ है। आने वाले वर्षों में फिनटेक, उद्योग, रक्षा, नवाचार और अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह का सहयोग देखने को मिल सकता है।

नत्स्यपालन के क्षेत्र में आइसलैंड के साथ बढ़ेगा सहयोग

पीएम मोदी ने ओस्लो में आइसलैंड की पीएम क्रिस्टुन फ्रॉस्टाडोटिर से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत आइसलैंड के साथ अपनी मित्रता को बहुत महत्व देता है। हमने स्वच्छ ऊर्जा, मत्स्य पालन, सतत विकास, भूतापीय ऊर्जा, कार्बन कैप्चर और स्टोरेज जैसे विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। नीली अर्थव्यवस्था से संबंधित क्षेत्रों में आइसलैंड की उत्कृष्ट उपलब्धियां सराहनीय हैं।

रोम पहुंचे पीएम मोदी

रोम (भाषा)। प्रधानमंत्री मोदी नॉर्वे की अपनी दो दिवसीय यात्रा पूरी करके मंगलवार रात रोम पहुंचे, जहां वह इटली की अपनी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मट्टरेल्ला से मुलाकात करेंगे तथा भारत-इटली सहयोग को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। रोम हवाई अड्डे पर उप प्रधानमंत्री और विदेश मामलों एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री एंटोनियो ताजानी ने मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री पांच देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में इटली पहुंचे हैं। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ₹इटली के रोम पहुंचा। राष्ट्रपति सर्जियो मट्टरेल्ला और प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करूंगा।₹ उन्होंने लिखा, ₹इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत-इटली सहयोग को बढ़ावा देना है, जिसमें विशेष रूप से भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 की भी समीक्षा की जाएगी।

यूपीएससी के उम्मीदवारों को मिला बड़ा तोहफा, किया गया ऐतिहासिक बदलाव

अब प्रीलिम्स एग्जाम के तुरंत बाद जारी होगी आँसर-की

- मेन्स की तैयारी के लिए नहीं होगा अब कन्फ्यूजन
- पहले फाइनल रिजल्ट आने के बाद ही होती थी जारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले लाखों उम्मीदवारों के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने एक बहुत बड़ी खुशखबरी दी है। आयोग ने परीक्षा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और छात्र-अनुकूल बनाने के लिए एक ऐतिहासिक बदलाव का ऐलान किया है। नए नियम के मुताबिक, अब यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा संपन्न होने के तुरंत बाद ही आधिकारिक आंसर-की (ऑफिशियल ऑसर की) जारी कर दी जाएगी। अब तक के नियमों के अनुसार, यूपीएससी पूरे एग्जाम की प्रक्रिया (प्रीलिम्स, मेन्स और इंटरव्यू) खत्म होने और फाइनल रिजल्ट आने के बाद ही प्रीलिम्स की आंसर-की जारी करता था। इस वजह से छात्रों को लंबा इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब यह इंतजार पूरी तरह खत्म हो गया है।

अब अंकों का कर सकेंगे मिलान

पहले आंसर-की न होने के कारण बॉर्डर पर रहने वाले छात्र (जिन्हें अपने स्कोर को लेकर संदेह होता था) यह तय नहीं कर पाते थे कि उन्हें मुख्य परीक्षा (मेंस) की तैयारी शुरू करनी चाहिए या नहीं। अब तुरंत आंसर-की आने से छात्र अपने अंकों का सटीक मिलान कर सकेंगे और बिना समय गंवाए मेन्स की तैयारी में जुट सकेंगे।

राजनाथ ने वियतनाम के राष्ट्रपति से की मुलाकात

नई दिल्ली। भारत और वियतनाम के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में हुए इस समझौते से दोनों देशों के बीच सहयोग को नई दिशा मिलेगी। रक्षा मंत्री ने वियतनाम के कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव और राष्ट्रपति तो लाम से मुलाकात की। उन्होंने मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त की और दोनों देशों के बीच उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी के प्रमुख स्तंभ, रक्षा सहयोग को और गहरा करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।

ईरान-अमेरिका के बीच गंभीर बातचीत का दिया हवाला

ट्रंप ने टाला ईरान पर 'हमला', इस बार खाड़ी देशों की अपील पर रुका

ईरान को दी थी खुली चेतावनी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर होने वाले एक बड़े सैन्य हमले को फिलहाल के लिए टाल दिया है। यह हमला मंगलवार के लिए तय किया गया था, लेकिन आखिरी वक्त में खाड़ी देशों के सहयोगी नेताओं की अपील के बाद इसे रोक दिया गया है। सोमवार को सोशल मीडिया पर ट्रंप ने खुद इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी दोनों पक्षों के बीच गंभीर बातचीत चल रही है, इसलिए उन्होंने मंगलवार को ईरान पर होने वाले सैन्य हमले को रोक दिया है।

इससे पहले ट्रंप ने ईरान को खुली चेतावनी दी थी कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ, तो कमजोर पड़ चुके युद्धविराम के बाद फिर से भीषण लड़ाई शुरू हो जाएगी। ट्रंप ने सैन्य अधिकारियों को निर्देश दिया था कि अगर ईरान के साथ कोई स्वीकार करने लायक समझौता नहीं होता है, तो पल भर के नोटिस पर ईरान पर पूरी ताकत के साथ एक बड़ा हमला करने के लिए तैयार रहें।

सैन डिएगो मस्जिद हमले पर ट्रंप ने जताया दुख

अमेरिका के कैलिफोर्निया में सोमवार को सैन डिएगो के इस्लामिक सेंटर के बाहर दो किशोर हमलावरों ने अंधाधुंध गोलियां चलाईं। इस हमले में तीन पुरुषों की जान चली गई। मरने वालों में एक सुरक्षाकर्मी भी शामिल है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच 'हेट क्राइम' यानी नफरत की वजह से किए गए अपराध के रूप में कर रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस घटना पर दुख जताया है।

गडकरी ने की कई बड़े प्रोजेक्ट्स की घोषणा

एक लाख 60 हजार करोड़ से बदलेगा दिल्ली का भूगोल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दिल्ली-एनसीआर में चल रही और प्रस्तावित अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं की जानकारी साझा की। वहीं, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने प्रेस वार्ता में घोषणा की कि अब पूर्ण हो चुकी, निर्माणाधीन और आगामी योजनाओं को मिलाकर दिल्ली-एनसीआर में कुल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर (सड़क अवसंरचना) परियोजनाओं का दायरा लगभग 1 लाख 60 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को दिल्ली से जुड़े कई बड़े आगामी प्रोजेक्ट्स की घोषणा

की। इनमें यूईआर-2 से दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी के लिए 3 हजार 500 करोड़ रुपये की छह-लेन परियोजना, नोएडा-फरीदाबाद हाई-स्पीड कॉरिडोर के लिए 7 हजार 500 करोड़ रुपये की परियोजना, दिल्ली-अमृतसर-कटरा कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट, शिवमूर्ति से नेल्सन मंडेला मार्ग तक 7 हजार करोड़ रुपये की टनल परियोजना और एम्स से महिपालपुर-गुरुग्राम तक 5 हजार करोड़ रुपये का एलिवेटेड कॉरिडोर शामिल हैं।

एजुकेशन वर्ल्ड फोरम 2026 में गूगल का बड़ा ऐलान

भारत में राज्य सरकारों के सहयोग से 'एआई' शिक्षा को बढ़ावा देगा

कार्यक्रम के तहत गूगल सीरीज शुरू करेगा

एजेंसी ▶▶ लंदन

गूगल ने भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकारों और यूनिसेफ के साथ नई साझेदारियों की घोषणा की है। लंदन में आयोजित एजुकेशन वर्ल्ड फोरम 2026 के दौरान गूगल ने देशभर में एआई साक्षरता, प्रशिक्षण और शैक्षणिक उपकरणों के विस्तार के लिए बड़े अभियान का ऐलान किया। कंपनी ने कहा कि यह पहल नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के अनुरूप तैयार की गई है और इसका उद्देश्य स्कूलों तथा उच्च शिक्षण संस्थानों में एआई के उपयोग को मजबूत करना है।

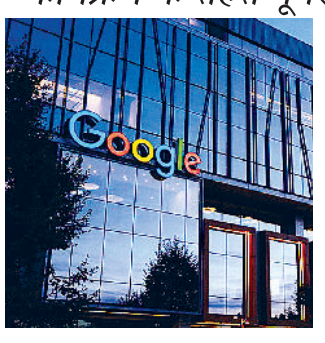

इस कार्यक्रम के तहत गूगल भारत में 'गूगल एआई एडुकेटर सीरिज' यानी जीईएस शुरू करेगा। यह पहल महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और असम सरकारों, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख तथा पंजाब स्कूल एजुकेशन बोर्ड के सहयोग से लागू की जाएगी। कंपनी के अनुसार यह मोबाइल-फर्स्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय शिक्षकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

6 भाषाओं में उपलब्ध होगा

प्रारंभिक चरण में इसे असमिया, हिंदी, मराठी, तेलुगु, ओड़िया और पंजाबी समेत छह भाषाओं में उपलब्ध कराया जाएगा, जबकि आगे और भाषाओं में विस्तार की योजना है। इसका उद्देश्य शिक्षकों और फैकल्टी सदस्यों को गूगल के एआई टूल्स, खासकर 'जेमिनाई' का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग सिखाना है ताकि कक्षा में पढ़ाई का अनुभव बेहतर बनाया जा सके।

नौसेना को मिलेगा नया हथियार, बिना विस्फोट के करेगा दुश्मनों पर वार

स्वदेशी हाई-पावर माइक्रोवेव करेगा इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को बेकार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत अब दुनिया के चुनिंदा देशों की उस एलीट क्लब में शामिल होने जा रहा है, जिनके पास हाई-पावर माइक्रोवेव (एचपीएम) तकनीक है। भारतीय नौसेना ने टॉन्बो इमेजिंग कंपनी को एडीआईटीआई 3.0 प्रोजेक्ट के तहत स्वदेशी एचपीएम सिस्टम विकसित करने, एकीकृत करने और नौसैनिक प्लेटफॉर्म्स पर लगाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया है। एचपीएम एक डायरेक्टेड एनर्जी वेपन है। यह पारंपरिक गोला-बारूद या मिसाइलों की जगह बेहद शक्तिशाली माइक्रोवेव किरणों का इस्तेमाल करता है। ये किरणें दुश्मन के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, राडार, सेंसर, कम्युनिकेशन उपकरण और ड्रोन को नष्ट या बेकार कर सकती हैं। खास बात यह है कि यह बिना किसी विस्फोट के काम करता है। दुश्मन के जहाज, विमान या ड्रोन को बिना फिजिकली हिट किए निष्क्रिय कर सकता है।

एडीआईटीआई 3.0 प्रोजेक्ट के तहत हुआ कॉन्ट्रैक्ट

टॉन्बो इमेजिंग कंपनी का एचपीएम

यह प्रोजेक्ट रक्षा मंत्रालय के तहत आईडेक्स और डिफेंस इनोवेशन ऑर्गनाइजेशन द्वारा समर्थित एडीआईटीआई 3.0 फ्रेमवर्क के अंतर्गत चलाया जा रहा है। टॉन्बो इमेजिंग कंपनी इस प्रणाली को विकसित करेगी और सफल परीक्षणों के बाद नौसेना के कई प्लेटफॉर्म्स पर इसे लगाया जाएगा। प्रोजेक्ट की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें एचपीएम सिस्टम के जरूरी कंपोनेंट्स - खासकर वैक्यूम ट्यूब आधारित माइक्रोवेव सोर्स को स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा है।

2047 तक 100% स्वदेशी लक्ष्य

भारतीय नौसेना का लक्ष्य है कि 2047 तक न सिर्फ युद्धपोत और पनडुब्बियां, बल्कि इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम डोमिनेंस, नॉन-काइनेटिक वारफेयर और भविष्य की डिटरेंस टेक्नोलॉजी भी पूरी तरह स्वदेशी हो जाए। इससे नौसेना को बिना गोली दागे दुश्मन की इलेक्ट्रॉनिक क्षमता को बेअसर करने की शक्ति मिलेगी। यह तकनीक पारंपरिक हथियारों की तुलना में सस्ती, सटीक और प्रभावी है, खासकर स्वार्म ड्रोन और असममित खतरे के खिलाफ।

अमेरिका ने अपाचे हेलीकॉप्टर और एम777 तोपों की डील को दी मंजूरी

भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग लगातार मजबूत होता जा रहा है। इसी कड़ी में अमेरिका ने भारत को अपाचे हेलीकॉप्टर और एम777ए2 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर तोपों के लिए सपोर्ट सर्विस और संबंधित उपकरणों की संभावित बिक्री को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस फैसले की आधिकारिक जानकारी दी। अमेरिका के अनुसार, अपाचे हेलीकॉप्टरों के लिए सपोर्ट सर्विस डील की अनुमानित कीमत करीब 198.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। वहीं एम777ए2अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर के लिए लॉन्ग-टर्म सपोर्ट डील लगभग 230 मिलियन अमेरिकी डॉलर की हो सकती है। अपाचे हेलीकॉप्टर सपोर्ट डील के लिए प्रमुख कंपनियां बोइंग कंपनी और लॉकहीड मार्टिन होंगी। वहीं एम777 हॉवित्जर सपोर्ट प्रोग्राम के लिए ब्रिटेन की रक्षा कंपनी बीएई सिस्टम्स को मुख्य ठेकेदार बनाया गया है।

पाक-बांग्लादेश के हिंदुओं के लिए सख्त हुए सीएए नियम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गृह मंत्रालय ने नया नोटिफिकेशन जारी कर पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए धार्मिक अल्पसंख्यक आवेदकों के लिए अतिरिक्त खुलासे अनिवार्य कर दिए। अब इन देशों से भारत आने वाले हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी समुदाय के लोगों को यह बताना होगा कि उनके पास इन देशों का कोई वैध या एक्सपायर्ड पासपोर्ट है या नहीं। अगर पासपोर्ट है, तो उसकी पूरी जानकारी देनी होगी और भारतीय नागरिकता मिलने के 15 दिन के भीतर उसे सरेंडर भी करना पड़ेगा।

गृह मंत्रालय के इस फैसले को सीएए प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आए थे, जिनमें कुछ आवेदकों के पास पुराने या अमान्य विदेशी पासपोर्ट पाए गए।

सीएए का नया नियम : नए नियमों के मुताबिक, हर आवेदक को शपथ पत्र के जरिए यह घोषित करना होगा कि उसके पास पाकिस्तान, बांग्लादेश या अफगानिस्तान सरकार की ओर से जारी कोई वैध या एक्सपायर्ड पासपोर्ट नहीं है। अगर किसी के पास ऐसा दस्तावेज है, तो उसे पासपोर्ट नंबर, जारी करने की जगह, जारी होने की तारीख और एक्सपायरी डेट जैसी पूरी जानकारी देनी होगी। इसके बाद नागरिकता मंजूर होने पर 15 दिनों के भीतर वह पासपोर्ट संबंधित देश के दूतावास या उचित प्राधिकरण के पास जमा करना होगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28